RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 36 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री

मंगलवार 29 जुलाई 2025
सुर्योदय प्रातः 05:41 बजे
सूर्यास्त सांय 19:15 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 अब भारत-ब्रिटेन में व्यापार का नया दौर

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 284 | गाजियाबाद, मंगलवार 29 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

सदन में गतिरोध जारी कार्यवाही दिन स्थगित रही

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर राज्यसभा में सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध सोमवार को भी दूर नहीं हो सका और विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही पहले बारह बजे , फिर दो बजे और अंततः दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

मानसून सत्र का पहला सप्ताह विपक्ष के हंगामे की भेंट चढने के बाद दूसरे सप्ताह के पहले दिन भी कोई विधायी कामकाज नहीं हो सका। पहले सप्ताह में केवल एक विधेयक विपक्ष की अनुपस्थिति में पारित हो सका था।

बारह बजे के स्थगन के बाद दो बजे जब सदन की कार्यवाही पुनः शुरू हुई तो पीठासीन उप सभापति भुवनेश्वर कलिता ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रफुल्ल पटेल को समुद्र द्वारा माल वहन विधेयक 2025 पर चर्चा शुरू करने के लिए कहा।

श्री पटेल के बोलने के लिए खड़े होते ही विपक्ष के सदस्यों ने आसन के निकट आकर हंगामा शुरू कर दिया। श्री कलिता ने सदस्यों से अपनी सीटों पर लौटने का आग्रह करते हुए कहा कि वे सदन में अनुशासन बनाए रखें और कार्यवाही चलने दें। उनकी अपील का असर न होते देख पीठासीन उप सभापति ने कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले शून्यकाल और प्रश्नकाल के दौरान भी विपक्षी दलों के सदस्यों ने इसी मुद्दे पर जोरदार हंगामा किया जिसके कारण कार्यवाही पहले बारह बजे और फिर दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

इससे पहले सुबह उप सभापति हरिवंश ने अन्नाद्रुमक के नवनिर्वाचित सदस्यों एम धनपाल और आईएस इनबादुरै को राज्यसभा की सदस्यता की शपथ दिलायी। दोनों सदस्य उच्च सदन में तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने तमिल भाषा में शपथ ली।

दोनों नवनिर्वाचित सदस्यों को सदन की सदस्यता की शपथ दिलाये जाने तथा विधायी दश्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के बाद उप सभापति ने सदस्यों को बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत कार्यस्थगन प्रशताव के 26 नोटिस मिले हैं।

उन्होंने बताया कि तृणमूल कांग्रेस के नदीमुल हक, आम आदमी पार्टी के संदीप पाठक, कांग्रेस की रंजीत रंजन और रजनी पाटिल, द्रमुक के तिरूचि शिवा और तृणमूल कांग्रेस के ही साकेत गोखले तथा अन्य सदस्यों ने सभी विधायी कामकाज रोककर बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की है।

तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष और डोला सेना तथा अन्य सदस्यों ने बंगाली आव्रजकों के साथ दूसरे राज्यों में हो रहे भेदभाव के मुद्दे जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संदोष पी और वी शिवादासन आदि ने छत्तीसगढ में दो नन की गिरफ्तारी से संबंधित मुद्दे पर चर्चा कराने के लिए नोटिस दिया है।

उन्होंने कहा कि ये सभी नोटिस नियमों के अनुरूप नहीं हैं इसलिए इन्हें स्वीकार नहीं किया गया है।

वीर नारियों और शहीदों की पत्नियों के समूह ने राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में वीर नारियों और शहीद सैनिकों की पत्नियों के एक समूह से मुलाकात की। राष्ट्रपति कार्यालय ने यह जानकारी दी। 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस मुलाकात की तस्वीरें साझा की गई हैं। इसमें कहा गया है, ''वीर नारियों और शहीद सैनिकों की पत्नियों के एक समूह ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस मुलाकात का आयोजन 'आर्मी वीमन वेल्फेयर एसोसिएशन' ने किया था।'' राष्ट्रपति कार्यालय ने एक अन्य पोस्ट में बताया कि इससे पहले दिन में हरियाणा के नवनियुक्त राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने भी अपनी पत्नी मित्रा घोष के साथ मुर्मू से मुलाकात की।

श्रीनगर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में तीन आतंकवादी ढ़ेर

✷ वेबवार्ता. श्रीनगर ✷। श्रीनगर के बाहरी क्षेत्र दचिगाम के ऊपरी इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन अज्ञात आतंकवादी मारे गये हैं। इन आतंकवादियों की पहचान नहीं हो पाई है। खुफिया जानकारी मिलने के बाद सेना की संयुक्त टुकड़ी द्वारा चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान यह मुठभेड़ शुरू हुई थी। सेना की चिनार कोर ने बताया कि भारी गोलीबारी के बीच तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया है। सुरक्षाबलों की कार्रवाई अभी जारी है।

पूरे भारत में सिर्फ 20 लाख कनेक्शन दे सकती है स्टारलिंक : पेम्मासानी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। दूरसंचार राज्यमंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने सोमवार को कहा कि उद्योगपति एलन मस्क की अगुवाई वाली उपग्रह संचार सेवा प्रदाता कंपनी स्टारलिंक भारत में केवल 20 लाख कनेक्शन दे सकती हैं, ऐसे में सार्वजनिक क्षेत्र की बीएसएनएल समेत अन्य दूरसंचार कंपनियों को कोई जोखिम नहीं है। उन्होंने यहां बीएसएनएल की समीक्षा बैठक के मौके पर कहा, ''स्टारलिंक के भारत में केवल 20 लाख ग्राहक हो सकते हैं और वह 200 एमबीपीएस तक की गति प्रदान कर सकती है। इससे दूरसंचार सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा।'' सैटकॉम सेवाओं का लक्ष्य ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों को बनाया जाएगा जहां बीएसएनएल की अच्छी उपस्थिति है। उन्होंने कहा कि सैटकॉम सेवाओं की शुरुआती लागत बहुत ज्यादा होगी और मासिक लागत लगभग 3 हजार हो सकती है।

CBI ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ 'पैसे लेकर सवाल पूछने' के मामले में लोकपाल को रिपोर्ट सौंपी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा और व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से जुड़े कथित 'पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने'' के मामले में लोकपाल को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सीबीआई ने लोकपाल की सिफारिश पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत पिछले साल 21 मार्च को महुआ और हीरानंदानी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

सेना अधिकारी के खिलाफ टिप्पणी करने के कारण माफी न मांगने पर कोर्ट ने मप्र के मंत्री को फटकारा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह को भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ उनकी टिप्पणी को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी न मांगने पर सोमवार को फटकार लगाई और कहा कि वह अदालत के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं।

इसरो और नासा ने तैयार किया निसार, धरती के होगी नजदीकी नजर

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और अमेरिका की नासा ने बड़ा कदम उठाया है। दोनों देशों की स्पेस एजेंसियों ने साथ मिलकर निसार सैटेलाइट (नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) डेवलप की है, जिसे 30 जुलाई 2025 को स्पेस में स्थापित करने की योजना है। निसार सैटेलाइट की सबसे खास बात यह है कि इसकी मदद से धरती के हर इंच पर नजर रखना संभव हो सकेगा। यह सैटेलाइट हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी को स्कैन करेगी।

कुछ सेंटीमीटर तक में होने वाले बदलाव को भी कैप्चर किया जा सकेगा। हालांकि, इसका उद्देश्य बाढ़, ग्लेशियर, कोस्टल इरोजन (तटीय क्षेत्रों में होने वाला कटाव) जैसी प्राकृतिक घटनाओं पर नजर रखना और उसकी पूर्व जानकारी देना है, पर इससे दुश्मन देशों की गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखा जा सकेगा।

ऐसे में चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की चालबाजियों को पकड़ना काफी आसान हो जाएगा। निसार से प्राप्त डाटा का उपयोग बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाओं की पूर्व चेतावनी, समुद्री तटों के क्षरण यानी इरोजन, तेल रिसाव की पहचान, फसल पूर्वानुमान, जलवायु परिवर्तन विश्लेषण, वनों के मूल्यांकन और यहां तक कि जहाजों की निगरानी जैसे कार्यों में होगा। नासा के अनुसार यह अब तक का सबसे उन्नत पृथ्वी-अवलोकन मिशन होगा। निसार का प्रक्षेपण उस ऐतिहासिक साझेदारी की याद दिलाता है। इस मिशन से प्राप्त डाटा को दुनिया भर के भूवैज्ञानिकों, मौसम वैज्ञानिकों, कृषि विशेषज्ञों और पर्यावरणविदों के लिए मुफ्त में उपलब्ध कराया जाएगा।

नासा के वैज्ञानिक पॉल रोसेन के मुताबिक निसार धरती की बदलती सतह की कहानी कहेगा। जैसे किसी फिल्म की हर फ्रेम में समय के साथ बदलाव देखा जा सके। इस मिशन के ज़रिए भारत न सिर्फ वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में अपनी भूमिका को और मजबूत कर रहा है, बल्कि यह दुनिया को दिखा रहा है कि स्पेस टेक्नोलॉजी सहयोग से कैसे वैश्विक समस्याओं का समाधान संभव है। इसरो और नासा के पहले साझा उपग्रह NISAR (निसार) यानी नासा-इसरो सिंथेटिक अपार्चर रडार को बुधवार 30 जुलाई को लॉन्च किया जाएगा।

मिशन न केवल तकनीकी रूप से उन्नत है, बल्कि इसके ज़रिए वैश्विक आपदाओं से लेकर खेती और पर्यावरण तक कई अहम क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बदलाव आने की उम्मीद है। निसार हर 12 दिन में पूरी धरती की सतह को स्कैन करेगा और मिलीमीटर श्तर तक के बदलावों को पकड़ सकेगा। इसका हर पिक्सल लगभग एक टेनिस कोर्ट के आधे आकार के क्षेत्र को रिप्रेजेंट करेगा। यह उपग्रह हिमालय, अमेज़न, कैलिफोर्निया के समुद्री तटों से लेकर पंजाब के खेतों तक की लगातार निगरानी करेगा।

भारत ने 2019-2023 में CAMPA के तहत 1.78 लाख हेक्टेयर भूमि पर पेड़ लगाए: रिपोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति ने एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत ने 2019-20 और 2023-24 के बीच 1,78,261 हेक्टेयर भूमि पर प्रतिपूरक वनीकरण किया, जो कुल लक्ष्य का 85 प्रतिशत है। प्रतिपूरक वनीकरण एक वैधानिक प्रक्रिया है जिसमें जब किसी परियोजना के लिए वन भूमि का किसी और उद्देश्य के लिए उपयोग किया जाता है (जैसे सड़क, बांध, खनन, उद्योग आदि), तो उस नुकसान की भरपाई के लिए परियोजना एजेंसी को उतनी ही भूमि पर पेड़ लगाने पड़ते हैं।

वर्ष 2019-20 और 2023-24 के बीच 2,09,297 हेक्टेयर भूमि पर प्रतिपूरक वनीकरण का लक्ष्य तय किया गया है। इस महीने की शुरुआत में दाखिल की गयी रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्यों में प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (सीएएमपीए) की निधि के उपयोग में काफी भिन्नता है। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ राज्यों जैसे गुजरात, चंडीगढ़, मिजोरम और मध्य प्रदेश ने अपने लक्ष्य को पूरी तरह हासिल कर लिया।

वहीं, मेघालय, मणिपुर, तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में प्रदर्शन काफी खराब रहा है। रिपोर्ट में इस दौरान सीएएमपीए निधि के उपयोग की भी समीक्षा की गयी है। राष्ट्रीय सीएएमपीए ने 2019-20 और 2023-24 के बीच राज्य वार्षिक योजनाओं के लिए 38,516 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी। राज्यों ने अपने वन विभागों को 29,311 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिनमें से 26,001 करोड़ रुपये का इश्तेमाल कर लिया गया है। इसका मतलब है कि स्वीकृत व्यय का 67.5 प्रतिशत हिस्सा ही खर्च किया गया है।

सीईसी ने कहा कि ''वार्षिक योजनाओं के देर से जमा होने, धन जारी करने में देरी और समर्पित सीएएमपीए कार्यालयों की कमी ने मौसमी वनीकरण अभियान को बाधित'' किया है। उसने कहा कि साथ ही कोविड-19 महामारी ने भी इस अभियान में बाधा पहुंचायी।

प्रतिपूरक वनीकरण की यह व्यवस्था उच्चतम न्यायालय के टीएन गोदवर्मन तिरुमुलपद बनाम भारत संघ के 1995 मामले से शुरू हुई थी। उच्चतम न्यायालय ने आदेश दिया था कि जब वन भूमि का गैर वन्य उद्देश्यों के लिए इश्तेमाल किया जाता है, तो उपयोगकर्ता एजेंसी को गैर-वन्य भूमि पर वनीकरण के माध्यम से नुकसान की भरपाई के लिए धन प्रदान करना होगा।

अवसानेश्वर मंदिर में करंट उतरने से भगदड़, दो मरे, 30 घायल

✷ एनसीआर टुडे. बाराबंकी ✷

उत्तर प्रदेश में बाराबंकी के हैदरगढ़ क्षेत्र में स्थित श्री अवसानेश्वर महादेव मंदिर परिसर में सोमवार को करंट उतरने से मची भगदड़ में दो श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गयी जबकि 30 से अधिक घायल हो गये जिनमें पांच की हालत गंभीर बनी हुयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताते हुये मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिये हैं।

पुलिस ने बताया कि सावन का तीसरा सोमवार होने के चलते श्रद्धालु प्रातः तीन बजे से मंदिर में जल अभिषेक करने के लिये कतारबद्ध थे कि इस बीच मंदिर के बाहर लगे टीन शेड पर बिजली का तार टूट कर गिर गया जिससे करंट उतर आया और भगदड़ मच गई। उन्होने बताया कि भगदड़ में एक श्रद्धालु की मौत हो गई जबकि 30 से अधिक घायल हो गए जिन्हें तत्काल हैदरगढ़ व त्रिवेदीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया गया जहां इलाज के दौरान एक और श्रद्धालु की मौत हो गई। पांच लोगों को गंभीर अवस्था में जिला चिकित्सालय भेजा गया है जहां पर उनकी हालत चिंता जनक बताई जाती है।

धार्मिक आज़ादी के हनन पर चुप नहीं रहेंगे: राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में दो ननों के साथ हुआ व्यवहार अत्यंत निंदनीय है और कांग्रेस धार्मिक आजादी के हनन की ऐसी घटनाओं को सहन नहीं करेगी। श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा 'छत्तीसगढ़ में दो कैथोलिक ननों को उनकी आस्था के कारण निशाना बनाकर जेल भेज दिया गया -यह न्याय नहीं बल्कि भाजपा- आरएसएस का गुंडाराज है।

यह एक खतरनाक पैटर्न को दर्शाता है और इस शासन में अल्पसंख्यकों का व्यवस्थित उत्पीड़न है।' उन्होंने कहा 'यूडीएफ सांसदों ने आज संसद में विरोध प्रदर्शन किया। हम चुप नहीं बैठेंगे। धार्मिक स्वतंत्रता एक संवैधानिक अधिकार है। हम उनकी तत्काल रिहाई और इस अन्याय के लिए जवाबदेही की मांग करते हैं।' गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में पुलिस ने मानव तस्करी और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप में दो ननों सहित तीन लोगों को धर्म स्वतंत्रता अधिनियम और अनैतिक व्यापार रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है।

दिल्ली में तीन दिन कैसा रहेगा मौसम 20 राज्यों में बारिश का अलर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली में दिन में तेज धूप खिली रही, जिसकी वजह से लोगों की गर्मी से हालात खराब हो गई। अब मौसम विभाग की ओर से दिल्ली में तीन दिन भारी बारिश की संभावना जताई गई है। दिल्ली के तापमान में भी इन दिनों गिरावट देखने को मिलेगी।

दिल्ली के साथ-साथ कई और राज्यों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी दिल्ली का मौसम लगातार करवट लेता नजर आ रहा है। रविवार को सुबह में आसमान में काले बादलों का डेरा रहा, लेकिन दिन में चिलचिलाती गर्मी से लोगों का बुरा हाल हो गया और दिल्ली का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।

हालांकि मौसम विभाग की ओर से 28 जुलाई यानी आज के लिए तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान तापमान में भी गिरावट होने का अनुमान है। दिल्ली में अगले तीन दिन तेज बारिश की संभावना है।

28 और 29 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। 29 से 31 जुलाई के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में भारी से बहुत भारी बारिश का एक नया दौर शुरू होने की संभावना है। 28 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर में कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश हो सकती है। 28 जुलाई से 2 अगश्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

एससी ने यशवंत वर्मा से पूछे सवाल, सुनवाई बुधवार को

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने नगदी बरामद होने के आरोपों का सामना कर रहे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से सोमवार को पूछा कि संबंधित न्यायिक आंतरिक जांच समिति द्वारा अपनी जांच पूरी करने और रिपोर्ट प्रश्तुत करने का इंतज़ार क्यों किया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए उनके अधिवक्ता से पूछा कि उन्होंने आंतरिक जांच समिति के गठन की वैधता को चुनौती क्यों नहीं दी और अगर यह संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत था तो उन्होंने इसके अधिकार क्षेत्र को क्यों स्वीकार किया।

पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से सवाल किया, "जब समिति गठित की गई थी तब आपने चुनौती क्यों नहीं दी? आपने इंतज़ार क्यों किया? न्यायाधीश पहले भी इन कार्यवाहियों में शामिल होने से बचते रहे हैं।"

पीठ ने उनसे से पूछा कि क्या यह सच नहीं है कि आंतरिक जांच रिपोर्ट केवल एक तथ्य-खोज दश्तावेज़ है, न कि साक्ष्य और वह इससे कैसे असंतुष्ट हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत जांच में मुद्दे की पड़ताल करने और शपथ के तहत साक्ष्य लेने की व्यापक शक्तियां हैं।

कोनेरू हंपी को हराकर दिव्या देशमुख ने जीता फिडे महिला विश्वकप का खिताब

✷ वेबवार्ता. जॉर्जिया ✷

भारत की शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने सोमवार को हमवतन ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी को हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया है।

जीत के साथ ही दिव्या ग्रैंडमास्टर भी बन गई हैं। आज खेले गये रैपिड राउंड में दिव्या देशमुख ने सफेद मोहरों के साथ आक्रामक शुरूआत की। हंपी ने काले मोहरों से खेलते हुए मैच को ड्रॉ करवाया और मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल कर ली। रैपिड राउंड के दूसरे गेम में काले मोहरों से खेलती हुई दिव्या

देशमुख शुरुआत से हावी रहीं। कोनेरू रैपिड राउंड के दूसरे गेम में गलती की और दिव्या ने उसका फायदा उठाया।

sदिव्या ने टाईब्रेक में हंपी को 1.5-0.5 के स्कोर से हराया। इस जीत के साथ अब वह 88वीं भारतीय ग्रैंडमास्टर बन गई हैं। दिव्या फिडे महिला विश्वकप 2025 में जीत के साथ ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करने वाली चौथी भारतीय महिला है।

बेनेली नदी में मिला अज्ञात महिला का शव, फैली सनसनी

✷ **एनसीआर टुडे. अफजलगढ़** ✷। थाना क्षेत्र रहेड स्थित बनैली के पुल समीप नदी में मिला अज्ञात महिला का शव। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा। रेहड़ थाना क्षेत्र के गांव राज नगर में पुलिस को बनैली नदी में पुल के समीप सडी गली अवस्था मे कई दिन पुराना शव पड़ा होने की सूचना मिली सुचना पर अफ़ज़लगढ़ व रेहड़ थाने की पुलिस ने मौके पर पंहुच कर शव को पानी से बाहर निकलवाकर महिला की शिनाख्त का प्रयास ग्रामीणों के माध्यम से किया। महिला के शव की शिनाख्त न होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु विजनौर भेज दिया। सीओ राजेश सोलंकी ने शव मिलने की पुष्टि करते हुए बताया कि शव महिला का है जो कि प्रथम दृष्ट्या शव कई दिन पुराना है।

एसपी ने किया चार सिपाहीयो को लाइन हाजिर

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। बिजनौर एसपी ने चांदपुर कस्बे में तैनात चार कॉन्स्टेबल को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। लाईन हाजिर किए गए सिपाहियों में जैकी, अर्जुन तोमर, मोनू कुमार और आकाश चौधरी शामिल हैं। सीओ अभिषेक झा की इस कार्रवाई से चांदपुर थाने में तैनात अन्य सिपाहियों में हड़कंप मच गया है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इन चारों सिपाहियों को किस कारण से लाइन हाजिर किया गया है। लाइन हाजिर होने का अर्थ है की इन सिपाहियों को अपने वर्तमान पद से हटाकर पुलिस लाइन में रिपोर्ट का आदेश दिया गया है। यह कार्रवाई आमतौर पर किसी गंभीर चूक या अनुशासनहीनता के मामले में की जाती है।

शांति समिति की बैठक, ड्रोन आदि की अफवाह को लेकर किया जागृत

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। थाना परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी रामडोल जुलूस व ड्रोन जैसी अफवाहों को लेकर आयोजित शांति समिति की बैठक में सीओ धामपुर ने कहा की अफवाहों पर ध्यान दे।अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। सोमवार की सांय करीब 6:00 बजे नहटौर थाना परिसर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी रामडोल जुलूस व ड्रोन जैसी अफवाहों पर रोकथाम के लिए आयोजित शांति समिति की बैठक में नगर व ग्रामीण क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। बैठक में सीओ धामपुर अभय कुमार पांडे ने कहा कि ड्रोन जैसी अफवाहों पर ध्यान न दें। अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखे जा रही है। अफवाह फैलाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा चोर आदि समझकर मंदबुद्धि लोगों को पकड़ लिया जाता है और उनके साथ अभद्र व्यवहार भी किया जाता है। इससे दूर रहे। यदि इस तरह का कोई व्यक्ति मिलता है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दे। इसके अलावा श्री कृष्ण जन्माष्टमी रामडोल जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग करने की अपील की गई। इस मौके पर थानाध्यक्ष धीरज नागर, नगर पालिका के ईओ ओम गिरी, विद्युत विभाग के कसीम अहमद, अग्नि देवता, कुलवीर चौधरी फुलसंदे वाले, प्रशांत वर्मा, बहाव कुरैशी, विशाल हाशमी, हेमंत चौधरी, खलील अहमद प्रधान, नरेश कुमार, महावीर सैनी, यशपाल प्रधान, शराफत अल्वी, विनीत गोयल, सुधीर सिंघल, विनिल त्यागी, सुरेश कुमार, राजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

शिवभक्त डाक लाने वाली कांवड़ डीजे के साथ हरिद्वार पहुंचे

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷। पावन सावन के महीने में कांवड़ यात्रा के चलते तीर्थ नगरी हरिद्वार से पवित्र गंगाजल के साथ कांवड़ लाकर अपने गंतव्य स्थान की ओर जाने व हजारों की संख्या में शिवभक्त डाक लाने वाली कावड़ डीजे गाजे वाजे के साथ कांवडती प्रतिदिन यहा के मुख्य मागों से जय भोले व हर हर महादेव के जय कारो की गूंज के साथ अपने गंतव्य स्थान ओर प्रस्थान करते जा रहे हैं सावन मास के तीसरे सोमवार को भी कांवड़तियों का जय भोले के उदघोष के साथ अपनी मंजिल को प्रस्थान करने का सिलसिला जारी रहा।श्रावण मास की शिवरात्रि के जल चढ़ाने के बाद भी शिव भक्त अपने गांव हकीकतपुर गंगवाली के शिव मंदिर से हरिद्वार से कांवड़ व गंगाजल लेने के लिए 23 शिव भक्तों का जत्था हरिद्वार के लिए निकला, डाक कांऔवड़ लेने के लिए ओमवेश कुमार, दीक्षित कुमार, शौर्य, लकी कुमार, पवन कुमार, शगुन कुमार, कुशल कुमार, प्रिंस कुमार, हर्ष कुमार, मनीष कुमार, छविराम, गोल्डी, संकित, राजन दीपक, सार्थक, ऋषभ कुमार, भूपेंद्र कुमार, शिवा, मिंटू, अभिषेक, आर्यन, लवलीन आदि।

राजस्थान में खस्ताहाल स्कूलों पर बुलडोजर चलाएगी सरकार

जयपुर, एजेंसी।
झालावाड़ में दो दिन पहले हुए दर्दनाक स्कूल हादसे के बाद शिक्षा विभाग पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। हादसे में 7 मासूमों की जान जाने के बाद अब पूरे प्रदेश के स्कूल भवनों की खामियों पर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। रविवार को शिक्षामंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में जर्जर स्कूलों को तोड़ने और वैकल्पिक रूप से कंटेनर क्लासरूम्स में पढ़ाई शुरू कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही, 7500 से अधिक सरकारी स्कूलों की मरम्मत के लिए 150 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है।

बैठक में निर्णय हुआ कि राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों की इमारतों का कलेक्टरों के माध्यम से व्यापक सर्वे कराया जाएगा। जिन स्कूल भवनों को जर्जर पाया जाएगा, उन्हें लाल क्रॉस के निशान से चिह्नित कर तत्काल बंद कर दिया जाएगा। ऐसे भवनों को प्राथमिकता से गिराकर वहां कंटेनर कक्षाओं की व्यवस्था की जाएगी, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो और सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके।

शिक्षामंत्री ने बताया कि सर्वे के बाद सभी स्कूल भवनों का डिजिटल डेटा एक जीआईएस आधारित ऐप में संकलित किया जाएगा, जिसे शाला दर्पण से जोड़ा जाएगा। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का भी उपयोग होगा, जिससे भविष्य में भवनों की निगरानी और मरम्मत का समय पर प्रावधान हो सके। आपदा प्रबंधन कोष से 170 तहसीलों में 7500 स्कूलों के लिए मरम्मत कार्य को प्राथमिकता पर लेकर 150 करोड़ रुपये का प्रस्ताव मंजूर किया गया है।

स्कूल भवनों के निर्माण में लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदारों पर अब जवाबदेही तय की जाएगी। दिलावर ने बताया कि समग्र शिक्षा अभियान के तहत एक विशेष प्रकोष्ठ बनाया जाएगा जो निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी करेगा। पीडब्ल्यूडी की लेब से निर्माण सामग्री की जांच होगी और यदि घटिया निर्माण की पुष्टि होती है तो ठेकेदारों और अभियंताओं से नुकसान की वसूली की जाएगी।

केवल सरकारी ही नहीं, प्राइवेट स्कूलों की बिल्डिंग्स और ट्रांसपोर्ट सिस्टम की भी जांच की जाएगी। स्कूल वाहन फिटनेस, ड्राइवर की मेडिकल जांच और अन्य सुरक्षा मानकों की निगरानी शिक्षा विभाग द्वारा की जाएगी। मकसद यह है कि राज्य के किसी भी बच्चे की सुरक्षा में कोई समझौता न हो।

पीपलोदी गांव में हुए हादसे को लेकर जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद रविवार को शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। शिक्षामंत्री के निर्देश पर शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल ने झालावाड़ के प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी नरसो मीणा, बीईईओ प्रमोद बालासोरिया, पूर्व बीईईओ चंद्रशेखर लुहार, पंचायत अधिकारी प्रभुलाल कारपेंटर, सहायक अभियंता व तत्कालीन पंचायत शिक्षा अधिकारी राधेश्याम मीणा को निलंबित कर दिया। वहीं संविदा पर कार्यरत कनिष्ठ अभियंता की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। झालावाड़ हादसे को चेतावनी मानते हुए राज्य सरकार अब प्रदेशभर में स्कूल भवनों की स्थिति पर गंभीरता से काम शुरू कर चुकी है। बच्चों की जान की कीमत पर शिक्षा नहीं दी जाएगी –

बिहार में 2005 के बाद पहली बार घट सकते हैं मतदाता

चुनाव आयोग के ताजा आंकड़ों ने चौंकाया

नईदिल्ली, एजेंसी।
बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची की गणना के दौरान 72.4 मिलियन फॉर्म इकट्ठा हुए हैं। यह संख्या 24 जून को राज्य में दर्ज मतदाताओं की संख्या से 6.5 मिलियन (8 प्रतिशत) कम है, जो कि एसआईआर शुरू होने से एक दिन पहले थी। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान की संख्या से 4.8 मिलियन (6.2 प्रतिशत) कम है। 2020 के राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान की संख्या से 1.2 मिलियन (1.6 प्रतिशत) कम है। निर्वाचन आयोग ने रविवार को यह जानकारी दी। इस तरह बिहार में मतदाताओं की संख्या में स्पष्ट कमी आई है। हालांकि, अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होनी है। 2005 में हुए दो विधानसभा चुनावों के बाद से पहली बार कमी आई है। बिहार में विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए मतदाताओं की संख्या आमतौर पर बढ़ती रही है। हिंदुस्तान टाइम्स ने 1977 के बाद से हुए सभी विधानसभा चुनावों (2000 में झारखंड बनने के बाद बिहार की बची विधानसभा सीटों के आधार पर) और 2004 के बाद से हुए सभी लोकसभा चुनावों (झारखंड बनने के बाद पहला लोकसभा चुनाव) के आंकड़ों की जांच की। इस दौरान हर लगातार चुनाव में मतदाताओं की संख्या बढ़ी, सिवाय 2005 के फरवरी और अक्टूबर विधानसभा चुनावों के बीच, जब मतदाताओं की संख्या 52.7 मिलियन से घटकर 51.3 मिलियन (2.5 प्रतिशत की कमी) हो गई। 2005 का रुझान दिखाता है कि बिहार में मतदाताओं की संख्या में कमी आना असंभव नहीं है। लेकिन, अगर 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 2020 के विधानसभा चुनाव (73.6 मिलियन) या 2024 के लोकसभा चुनाव (77.3 मिलियन) से कम रहती है, तो यह बिहार में दुर्लभ घटना होगी। 24 जून को 78.9 मिलियन मतदाताओं से 27 जुलाई को 72.4 मिलियन तक 8 प्रतिशत की कमी, 2005 में फरवरी से अक्टूबर के बीच 2.5 प्रतिशत की कमी से भी बड़ी और तेज गिरावट है।

मीडिया क्लब रजिस्टर्ड का गठन, मोहम्मद मेहरबान बने अध्यक्ष कपिल रस्तौगी बने महासचिव

✷ **एनसीआर टुडे. किरतपुर** ✷

नगर में सर्वाधिक पत्रकारों की भागीदारी वाला मीडिया क्लब रजिस्टर्ड का गठन किया गया, जिसमें विभिन्न समाजों के पत्रकार एकजुट होकर संगठन को मजबूती प्रदान करने के संकल्प के साथ शामिल हुए। मीडिया क्लब के अध्यक्ष मौहम्मद मेहरबान महासचिव कपिल रश्तौगी व संरक्षक वरिष्ठ पत्रकार मौहम्मद याकूब व अर्जुन सिंह का माल्यार्पण का स्वागत किया।

बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार मौहम्मद याकूब ने की और संचालन करते हुए दिलशाद अल्वी ने मोहम्मद मेहरबान को अध्यक्ष व कपिल रश्तौगी को महासचिव बनाने का प्रशताव रखा जिसको सर्वसम्मति से पास किया गया। और मौहम्मद मेहरबान को अध्यक्ष व कपिल रश्तौगी को महासचिव चुन लिया गया। इसके अलावा वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद याकूब और अर्जुन सिंह को संगठन का संरक्षक नियुक्त किया गया। मीडिया क्लब रजिस्टर्ड का अध्यक्ष बनाए जाने पर मोहम्मद मेहरबान ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे मीडिया क्लब रजिस्टर्ड को निष्पक्ष पत्रकारिता, सामाजिक सरोकार और आपसी समन्वय का मजबूत मंच बनाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि संगठन के माध्यम से युवा पत्रकारों को मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए जाएंगे, ताकि क्षेत्र में पत्रकारिता का श्तर और ऊंचा हो सके। बैठक में कई पत्रकारों ने संगठन को मजबूत करने के लिए सुझाव दिए और सहयोग का आश्वासन दिया। मीटिंग के अंत में मीडिया क्लब रजिस्टर्ड के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार मौहम्मद मेहरबान,महासचिव कपिल रश्तौगी, संरक्षक मौहम्मद याकूब व अर्जुन सिंह का माल्यार्पण का स्वागत किया। इस मौके पर रोहिल खान, मुशैब सिद्दीकी,शमीम अंसारी, परवेज़, दिव्यम अरोड़ा, डॉक्टर विकास, साबिर मलिक, उबैद मलिक, शरीफ मलिक,आकिल,सलीम राशिद, अब्दुल करीम, आकाश वर्मा, निशांत गिरी, प्रशांत चौधरी, हरेंद्र कुमार, डॉक्टर नरदेव सिंह आदि पत्रकार उपस्थित रहे।

गांव व कस्बे में घूम कर अफवाहों से बचाने के लिए पुलिस कर रही लोगों को जागरूक

✷ **एनसीआर टुडे. अफजलगढ़** ✷

थाना क्षेत्र कोतवाली के प्रांगण में ड्रोन कैमरे को लेकर शांति समिति की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी अफजलगढ़ राजेश सोलंकी व संचालन थाना अध्यक्ष सुमित राठी ने किया।

सीओ राजेश सोलंकी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल जगह-जगह अफवाएं फैलाई जा रही हैं कि चोर गिरोह ड्रोन उड़ा रहे हैं और चोरी हो रही है।

उन्होंने कहा आज इसी को लेकर थाने में एक बैठक बुलाई गई है। उन्होंने कहा पुलिस गांव-गांव व कस्बे में जागरुकता अभियान चला रहा है।

उन्होंने बैठक में लोगों को समझाया अफवाहों पर ध्यान न दें, यह भी समझाया कि ड्रोन से कोई रेकी नहीं कर रहा है और ना ही यह चोरों का कोई गैंग है। वही गांव के लोगों का क्या कहना है कि इन दोनों ड्रोन गैंग घूम रहा है रात के अंधेरे में चोरो के द्वारा ड्रोन उड़ाए जाते हैं और फिर रेकी की जाती है।

सीओ राजेश सोलंकी ने बताया कि कहीं भी कोई ड्रोन नहीं उड़ रहा है लेकिन इन दिनों गांव देहात व कस्बे में अफवाह फैल रही है कि रात में गांव व कस्बे के ऊपर ड्रोन उड़ाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा यदि कोई अफवाह फैलाने का काम करेगा तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। थाना अध्यक्ष सुमित राठी ने कहा आप अफवाहों से दूर रहें चेताया कि अगर कोई भी व्यक्ति ड्रोन की अफवाह फैलाएगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा यदि कहीं पर भी कुछ गलत हो रहा है तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें पुलिस वहां पहुंचकर कार्यवाही करने का काम करेगी। थाना अध्यक्ष सुमित राठी ने कहा की सभी गांव गांव में मुनादी कर प्रधान लोग बोले कि ड्रोन वगैरा कुछ नहीं है।

केवल किसी ने खिलौना उड़ा दिया है उस पर अफवाह चल रही हैं। आप लोग पुलिस का सहयोग करें। बैठक में उपस्थित पूर्व अध्यक्ष नफीस कुरेशी, सभासद मोहम्मद इरफान, एस एस आई श्रीपाल सिंह, कस्बा इंचार्ज प्रवीण कुमार, एस आई हरवीर कुमार, एस आई शेर सिंह, कांस्टेबल विशाल कुमार, कांस्टेबल रजनीश कुमार, मास्टर सलाउद्दीन, प्रधान शकील सीरवासू चन्द, रजी प्रधान कासमपुर गढ़ी, सलाउद्दीन सेफी,मास्टर मुगीज, मेंबर कलवा कुरैशी, भारतीय किसान यूनियन सामाजिक के युवा नेता फहद शाहिद, स्वर्ण सिंह, विपिन कुमार, प्रधान कपिल, प्रधान यामीन, प्रधान रईस रसूलआबाद, आदि लोग बैठक में मौजूद रहे।

भारत का अनुवाद नहीं होना चाहिए, नहीं तो अपनी पहचान खो देगा: मोहन भागवत

कोच्चि, एजेंसी।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि भारत का अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए अन्यथा यह अपनी पहचान और विश्व में इसे जो सम्मान प्राप्त है, वह खो देगा। भागवत ने कहा कि इंडिया तो भारत है लेकिन जब हम इसके बारे में बात करते हैं, लिखते हैं या बोलते हैं तो इसे इसी रूप में रखा जाना चाहिए फिर चाहे वह सार्वजनिक रूप से हो या व्यक्तिगत रूप से।

उन्होंने कहा कि क्योंकि यह भारत है इसलिए भारत की पहचान का सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा, 'भारत एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है। इसका अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए। यह सच है कि इंडिया भारत है। लेकिन

भारत, भारत है। इसलिए बातचीत, लेखन और भाषण के दौरान फिर चाहे वह व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक हमें भारत को भारत ही रखना चाहिए।

उन्होंने कहा, भारत को भारत ही रहना चाहिए। भारत की पहचान का सम्मान किया जाता है क्योंकि यह भारत है। अगर आप अपनी पहचान खो देते हैं तो चाहे आपके कितने भी अच्छे गुण क्यों न हों आपको इस दुनिया में कभी सम्मान या सुरक्षा नहीं मिलेगी। यही मूल सिद्धांत है। उन्होंने आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन ज्ञान सभा में यह बात कही।

अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि दुनिया ताकत की भाषा समझती है इसलिए भारत को आर्थिक दृष्टि से भी शक्तिशाली और समृद्ध बनना होगा। भागवत ने कहा कि भारत को अब सोने की चिड़िया बनने की जरूरत नहीं है बल्कि अब शेर बनने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, यह ज़रूरी है क्योंकि दुनिया ताकत को समझती है। इसलिए भारत को ताकतवर बनना होगा। उसे आर्थिक दृष्टि से भी समृद्ध बनना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश को दूसरों पर शासन करने के लिए नहीं,बल्कि विश्व की सहायता करने के लिए ताकतवर बनना चाहिए।

अपने भाषण में भागवत ने यह भी कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो किसी व्यक्ति को कहीं भी अपने दम पर जीवित रहने में मदद कर सके। आरएसएस प्रमुख ने यह भी कहा कि 'भारतीय' शिक्षा त्याग और दूसरों के लिए जीना सिखाती है और अगर कोई चीज़ किसी व्यक्ति को स्वार्थी होना सिखाती है तो वह शिक्षा नहीं है। आरएसएस प्रमुख ने यह बात यहां आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन ज्ञान सभा में कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा का तात्पर्य केवल स्कूल जाना भर नहीं है बल्कि घर और समाज का वातावरण भी है।

पंजाब के मुख्यमंत्री मान ने लुधियाना में किसानों से बातचीत की

जालंधर, एजेंसी।
पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को एक पेड़ की छांव में ग्रामीणों के एक समूह से बातचीत की और रंगला पंजाब बनाने के लिए उनके सुझाव लिए। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों को आम आदमी पार्टी नीत सरकार की प्रमुख पहल से भी अवगत कराया।

इस बैठक के लिए न तो सोफे लगाये गए थे और न ही सरकारी प्रोटोकॉल की औपचारिकताएं थीं। ग्रामीणों ने मान से खुलकर बातचीत की और उनके साथ अपने विचार साझा किए। मान ने ग्रामीणों के साथ राज्य के राजनीतिक, सामाजिक और अन्य मुद्दों पर बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जब पदभार संभाला था, नहर के पानी का केवल 21 प्रतिशत ही सिंचाई के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था, लेकिन अब यह बढ़कर 63 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के ठोस प्रयासों से पहली बार नहर और नदियों का पानी गांवों के अंतिम छोर तक पहुंच पाया है।

मान ने किसानों को बताया कि अक्टूबर में नमी की अधिकता के कारण धान की फसल बेचने में आने वाली परेशानियों से बचने के लिए, राज्य सरकार ने धान की खेती के सत्र में भी बदलाव कर दिया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य में आवश्यक योजना और व्यवस्था के साथ-साथ क्षेत्रवार धान की खेती सुनिश्चित की गई है। मान ने कहा कि उन्होंने

केंद्रीय खाद्य मंत्री को फोन कर आग्रह किया था कि अब धान की खरीद 15 सितंबर से शुरू होनी चाहिए ताकि राज्य के किसान अपनी फसल आसानी से और बिना किसी परेशानी के बेच सकें।

उन्होंने कहा कि इससे किसान मंडियों में नमी रहित अनाज ला सकेंगे और उनकी खरीद सुचारू रूप से सुनिश्चित होगी। मादक पदार्थों के खतरे के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि ड्रग माफिया को कथित तौर पर पिछली सरकारों द्वारा संरक्षण दिया गया था, लेकिन उनकी सरकार ने मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान शुरू किया।

जल संकट के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि 153 ब्लॉक में से 117 में भूजल 'ब्लैक डार्क जोन' में चला गया है। राज्य में हो रही भव्य शादियों पर चिंता व्यक्त करते हुए, मान ने कहा कि ये आम किसानों की जेब पर भारी बोझ डाल रही हैं। सादगीपूर्ण शादियों की वकालत करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समय की मांग है ताकि किसानों को कर्ज के दुष्चक्र से बाहर निकाला जा सके। उन्होंने कहा कि किसानों को फिजूलखर्ची करने की होड़ से बाहर आना चाहिए।

एयर इंडिया ने अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ित परिवारों को मुआवजा देना शुरू किया

अहमदाबाद, एजेंसी।
एयर इंडिया ने 12 जून को अहमदाबाद विमान दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों को मुआवजा देना शुरू कर दिया है। एयरलाइन ने कहा कि उसने प्रभावित परिवारों को 25 लाख रुपए की अंतरिम मुआवजा राशि जारी करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा टाटा समूह ने भी प्रभावित परिवारों को एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि देने का वादा किया है। एयर इंडिया ने 12 जून को अहमदाबाद विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले 166 पीड़ितों के परिवारों को अंतरिम मुआवजा जारी करना शुरू कर

दिया है। शनिवार को जारी एक प्रेस बयान में एयरलाइन ने कहा कि उसने प्रभावित परिवारों को 25 लाख रुपए की अंतरिम मुआवजा राशि जारी करना शुरू कर दिया है। एयरलाइन ने पीड़ित परिवारों को तत्काल मदद के लिए अंतरिम भुगतान की घोषणा की थी, जिसे 75 लाख रुपए के अंतिम मुआवजे में समायोजित किया जाएगा। एयरलाइन ने कहा कि एयर इंडिया ने अब तक 229 मृत यात्रियों में से 147 और दुर्घटनास्थल पर जान गंवाने वाले 19 लोगों के परिवारों को अंतरिम मुआवजा जारी कर दिया है। इस बीच, एयर इंडिया ने 52 अन्य यात्रियों के जरूरी दस्तावेजों का भी सत्यापन किया है। एयर इंडिया ने कहा है कि उनके परिवारों को अंतरिम मुआवजा किस्तों में जारी किया जाएगा। इसके अलावा, टाटा समूह ने दुर्घटना के पीड़ितों के लिए एआई-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट की स्थापना की है। उसने सभी मृतकों के प्रभावित परिवारों को एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि देने का वादा किया है। ट्रस्ट बी जे मेडिकल कॉलेज के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण में भी सहयोग करेगा, जहां विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। ट्रस्ट घटना के बाद मदद करने वाले राहत कर्मियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सरकारी कर्मचारियों को भी सहायता प्रदान करेगा। उधर, सुरक्षा को लेकर सरकार ने एयर इंडिया के प्रबंधन के साथ सीधी बातचीत शुरू कर दी है। पहली बैठक 23 जुलाई को हुई। सरकार ने एयरलाइन को उच्चतम सुरक्षा मानकों को बनाए रखने का निर्देश दिया है।

सोनीपत में सीआरपीएफ जवान की गोली मारकर हत्या, कांवड़ लाने के दौरान हुआ था झगड़ा

सोनीपत , एजेंसी। सोनीपत के गोहाना के गांव खेड़ी दमकन में रविवार देर रात एक सीआरपीएफ जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान कृष्ण के रूप में हुई है, जो कुछ समय से छुट्टी पर गांव आया हुआ था। जवान 2 बच्चों का पिता था, जिनमें से एक बच्चे का जन्म 3 दिन पहले ही हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव में माहौल तनावपूर्ण है और पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी है। कृष्ण का कुछ दिन पहले गांव के ही युवकों से डाक कांवड़ लाने के दौरान झगड़ा हुआ था। इसी रंजिश में उसकी हत्या हुई है। गांव खेड़ी दमकन निवासी कृष्ण करीब 9 साल पहले सीआरपीएफ में भर्ती हुआ था। उसकी शादी सात साल पहले हुई थी और उसका एक 6 साल का बेटा है। दूसरे बेटे का जन्म 3 दिन पहले ही हुआ था। कृष्ण एक महीने की छुट्टी पर घर आया था। रात करीब 1 बजे गांव के ही कुछ युवक कृष्ण को घर से बाहर बुलाकर ले गए और वहीं उस पर गोलियां चला दीं। गोली लगने से जवान की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस की शुरुआती जांच के अनुसार कृष्ण हाल ही में हरिद्वार से कांवड़ लाने गया था। इस दौरान गांव के ही कुछ युवकों से उसकी कहासुनी और झगड़ा हुआ था। गांव के अजय व निशांत पर उसकी हत्या के आरोप हैं। वारदात के बाद से दोनों आरोपी फरार हैं।

किसान एकता संघ के मथुरा जिला अध्यक्ष बने विजय सिंह राजपूत

✱ एनसीआर टुडे. मथुरा ✱ । जहाँरी में आयोजित कार्यक्रम एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में मंच पर उपस्थित किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोहन प्रधान एवं उपाध्यक्ष संतोष बालियां उपस्थित रहे इसी क्रम में कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए किसान हितो पर चर्चा हुई इसी क्रम में मथुरा के समाजसेवी विजय सिंह राजपूत को बनाया जिला किसान एकता संघ का जिला अध्यक्ष प्रमाण पत्र एवं दुपट्टा पहन कर किया राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्वागत विजय सिंह राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष का धन्यवाद देता हूं इस पद के योग्य समझा मैं हमेशा किसानों के साथ कंधे से कंधा लगाकर उनके हित पर कार्य करूंगा। इसी क्रम में उन्होंने सभी पदाधिकारी का आभार जताया सम्मेलन में काफी संख्या में किसान उपस्थित रहे। ठाकुर राजकुमार तोमर, राजेंद्र सिंह सिसोदिया, रोहतास, राहुल ठाकुर, मानसिंह राघव, नवीन शर्मा, गुलजार चौधरी, डां नानक चंद, उधम शर्मा, देवकीनंदन अत्री, राजपाल चौधरी, विजेंद्र चौधरी, आदि उपस्थित रहे।

दुकान की खिड़की उखाड़कर चोरी

✱ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✱ । लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की राहुल गार्डन कॉलोनी में चोरों ने किराना की दुकान की खिड़की उखाड़कर नगदी समेत लाखों का माल चोरी कर लिया। एक जुलाई की रात को हुई वारदात में पुलिस ने सुनवाई नहीं की तो पीड़ित ने पुलिस आयुक्त कार्यालय में गुहार लगाई है। राहुल गार्डन कॉलोनी निवासी रवि ओला ड्राइवर है। उनकी पत्नी नंदिनी ने बताया कि घर से कुछ दूरी पर उनकी किराना की दुकान है। दो जुलाई की सुबह पति दुकान पर पहुंचे तो दुकान के ऊपर बनी खिड़की टूटी मिली। छह हजार रुपये के सिक्के, एक डिब्बे में रखे 72 हजार रुपये की नगदी, तेल, सिगरेट व तार समेत लाखों का माल गायब था। आरोप है कि कॉलोनी में रहने वाले दो युवकों ने ही चोरी की है। स्थानीय पुलिस ने सुनवाई नहीं की तो उन्होंने पुलिस आयुक्त कार्यालय में गुहार लगाई।

रोडवेज बस की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत

✱ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✱ । थाना धामपुर क्षेत्र में नूरपुर रोड पर रविवार रात एक तेज रफ्तार उत्तर प्रदेश रोडवेज बस की चपेट में आकर बाइक सवार 24 वर्षीय युवक सुहैल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में युवक का मामा समद भी घायल हो गया। थाना धामपुर के ग्राम नींदडू अथाई शेख निवासी सनव्वर का पुत्र सुहैल चंडीगढ़ में रहता था। वह कल ही गांव आया था। सुहैल अपनी नानी के घर से अपने मामा समद के साथ बाइक पर अपने घर लौट रहा था। धामपुर दिशा से आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में सुहैल की मौत हो गई। उसके मामा समद को उपचार के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया है। बाइक मामा समद चला रहा था और सुहैल पीछे बैठा था। घटना की सूचना मिलने पर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पाण्डेय ने बताया की रोडवेज बस को जब्त कर लिया गया है। परिजनों से तहरीर लेकर कार्रवाई की जाएगी।

खबर की कवरेज करने पहुंचे पत्रकार के साथ थाना प्रभारी ने की बत्तमीजी पत्रकारों में रोष

✱ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✱ । कवरेज करते वक्त थाना प्रभारी स्योहारा ने पत्रकार इश्तियाक से की बत्तमीजी। स्योहारा मृतक आदमी की खबर और फ़ोटो निकलना पड़ा पत्रकार को भारी। थाना प्रभारी ने पत्रकार के बताने के बाद भी हठधर्मी दिखाते हुए पत्रकार को थाने की गाड़ी मे बैठाकर ले गए थे।थाने पत्रकार के सम्मान को पहुंची ठेस वही सरकार के पत्रकारो के सम्मान के लिए सख्त आदेश किये है। अधिकारियों को कहा कोई भी पत्रकार के सम्मान को नही पहुचायेगा ठेस। कई बार थाना प्रभारी अमित कुमार कुछ पत्रकारो से पूर्व में भी कर चुके है बत्तमीजी व गाली गलौच। पत्रकारो ने कहा शीघ्र ही उच्चाधिकारी इस विषय पर संज्ञान लेकर कार्यवाही करे। अन्यथा सम्पूर्ण पत्रकार मिलकर करेंगे थाने पर धरना प्रदर्शन। इस तरह की घटना से पत्रकारो में रोष फैलता है।

चोरो ने किये घर से लाखों के जेवर नकदी पार, 10 मीटर दूरी पर ग्रामीण देर रहे थे पहरा और

✱ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✱ । कोतवाली शहर क्षेत्र के झालरा गांव में अज्ञात चोरों ने फिल्मी स्टाइल में एक घर को निशाना बनाया। चोर दीवार फांदकर कमरे में दाखिल हुए और घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गए। घटना इरफान के घर में हुई। आसपास के गांवों में आसमान में संदिग्ध ड्रोन उड़ने की वजह से ग्रामीण रात को अपने गांव में पहरा दे रहे थे। पहरेदार घटनास्थल से मात्र 10 मीटर की दूरी पर बैठे थे। सुरक्षा की दृष्टि से गांव में काफी लोग मौजूद थे। इतनी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद चोरी की वारदात हो गई। पीड़ित इरफान ने बताया कि देर रात अज्ञात चोर उनके घर में घुसे और पूरे घर को खंगाल दिया। चोरों ने घर में रखें 10 हजार नकद, तीन जोड़ी पायल, एक जोड़ी वाले बंद और एक अंगूठी शाहिद सोने चांदी के जेवरात चुरा लिए। पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच कर रही है और अज्ञात चोरों की तलाश में कार्रवाई कर रही है।

सावन के तीसरे सोमवार को भी शिवालयो में रही भक्तों की भीड़

✱ एनसीआर टुडे. नहटौर ✱ । सावन माह के चलते तीसरे सोमवार को श्रद्धालु ने शिवालय पहुंचकर पूजा अर्चना करके अपने परिवारों की सुख समृद्धि की कामना की। सावन के तीसरे सोमवार को श्रद्धालुओं ने उपवास रखकर मंदिरों के शिवालयों में पहुंचकर पूजा अर्चना करके अपने परिवारों की सुख समृद्धि की कामना की तथा बेलपत्री आदि सामग्री चढ़ाई सोमवार को चामुंडा धाम पंचायती मंदिर हाथी वाला मंदिर पूर्वी चौधियान शिव मंदिर पाताल तोड़ शिव मंदिर झारखंडी आदि शिवालयों पर महिला पुरुषों व लड़कियों ने पहुंचकर पूजा अर्चना की पूजा अर्चना के दौरान उन्होंने अपने परिवारों की सुख समृद्धि की कामना की तथा बेल पत्री भांग धतूरा आदि पूजा की सामग्री ये पर चढ़ाई इसके अलावा ग्रामीण अंचलों में

चार फर्जी दूतावास खोल बनाई 100 करोड़ की संपत्ति

पीएनबी में मिले 8 करोड़, 34 देशों की की यात्रा

✱ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✱

दिल्ली-एनसीआर में अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने चार फर्जी दूतावास खोलकर 100 करोड़ रुपये की संपत्ति खड़ी कर ली और गाजियाबाद स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की एक शाखा में 8 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा कर रखी थी। इसके अलावा, वह फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 34 देशों की यात्रा भी कर चुका है।

मामले का खुलासा

सूत्रों के अनुसार, यह व्यक्ति खुद को विभिन्न अफ्रीकी और यूरोपीय देशों का राजनयिक बताकर दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई ठिकानों पर फर्जी दूतावास चला रहा था। उसने दूतावास के नाम पर कार्यालय, गाड़ियां और सुरक्षा कर्मी तक तैनात कर रखे थे। जाँच एजेंसियों के अनुसार, उसने नकली पहचान और दस्तावेजों की मदद से विजा, पासपोर्ट और डिप्लोमैटिक स्टेटस प्राप्त किए।

34 देशों की यात्रा, पर असली पहचान फर्जी

चौंकाने वाली बात यह है कि इस आरोपी ने नकली राजनयिक पासपोर्ट के आधार पर 34 से ज्यादा देशों की यात्रा की और हर जगह खुद को एक वैध राजनयिक के तौर पर प्रस्तुत किया। जाँच में पता चला है कि उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई हाई-प्रोफाइल आयोजनों में शिरकत भी की, और अधिकारियों से मिलकर खुद को वैध दूतावास प्रतिनिधि साबित किया। गाजियाबाद के बैंक में 8 करोड़ का लेनदेन

गाजियाबाद के पीएनबी बैंक की एक शाखा में छापेमारी के दौरान आरोपी के 8 करोड़ से ज्यादा की रकम जमा होने के दस्तावेज मिले हैं। फॉरेन ट्रांजैक्शन और संदिग्ध खातों की जानकारी भी सामने आ रही है।

कई राज्यों की एजेंसियां जाँच में जुटीं

फिलहाल यह मामला ईडी, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और आईबी (Intelligence Bureau) द्वारा गंभीरता से जाँचा जा रहा है। आरोपी से पूछताछ जारी है और उसके संपत्ति के स्रोत, फर्जी पहचान और सहयोगियों की तलाश की जा रही है।

राजनयिक संरक्षण की आड़ में संगठित ठगी का बड़ा नेटवर्क

इस मामले ने राजनयिक तंत्र की आड़ में चल रहे संगठित ठगी नेटवर्क की पोल खोल दी है। एजेंसियों का मानना है कि इस तरह की फर्जी पहचान के जरिए आतंकवाद, हवाला और अंतरराष्ट्रीय तस्करी जैसे मामलों में संलिप्तता की आशंका भी नकारा नहीं जा सकता।

संदिग्ध परिस्थितियों में छठी मंजिल से गिरने से नाबालिग छात्रा की मौत

✱ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✱

राकेश मार्ग स्थित एक सोसायटी में रविवार देर रात एक बिल्डिंग की छठी मंजिल से एक 14 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में नीचे गिर गई।

इस दौरान गार्ड आवाज सुनकर मौके पर पहुंचा तो मामले की जानकारी हुई। जिसके बाद परिजनों ने तुरंत घायल छात्रा को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं मामले की सूचना पर पहुंची सिहानी गेट थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद के राकेश मार्ग पर एक सोसायटी की एक बिल्डिंग की छठी मंजिल पर अभिषेक अपने परिवार के साथ रहते है।

बताया गया है कि उनके परिवार में उनकी पत्नी के अलावा दो बेटियां भी है। रविवार देर रात उनकी एक 14 वर्षीय बेटी संदिग्ध परिस्थितियों में फ्लेट की बालकॉनी से नीचे गिर गई।

जिसके बाद मौके पर पहुंचे गार्ड ने मामले की जानकारी परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने आनन-फानन में उसे पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि किशोरी कैसे गिरी है।

गैंगस्टर की अवैध संपत्तियों पर बड़ी कार्रवाई, 5.50 करोड़ की संपत्ति जब्त

✱ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✱

पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए गैंगस्टर एक्ट के तहत बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है। पुलिस ने लगभग 5 करोड़ 50 लाख रुपये की अवैध संपत्ति जब्त की है, जिसमें मकान, वाहन और अन्य चल-अचल संपत्तियां शामिल हैं। यह कार्रवाई कविनगर थाना क्षेत्र में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई है।

कोर्ट से अनुमति के बाद की गई कार्रवाई

24 जुलाई 2025 को न्यायालय से जब्ती की अनुमति मिलने के बाद पुलिस की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संपत्तियों को सील किया। बाबूधाम पुलिस ने 3.10 करोड़ रुपये के मकान, 10 लाख रुपये की एक कार और अन्य संपत्तियों को जब्त किया।

सीओ कविनगर भास्कर वर्मा ने जानकारी दी कि जिन लोगों की संपत्ति जब्त की गई है, उनमें राजीव कुमार चौहान, सुनीता चौहान और नाजिया अख्तर शामिल हैं। पुलिस जांच में पाया गया कि ये संपत्तियां अवैध गतिविधियों से अर्जित की गई थीं।

इससे पहले भी गैंगस्टर नाजिया अख्तर के खिलाफ धोखाधड़ी सहित कई आपराधिक मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस ने नाजिया की लगभग 2.40 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी, जिसमें दो करोड़ रुपये का दो मंजिला मकान और 40 लाख रुपये के दो टेंपो ट्रैवलर शामिल थे।

इन संपत्तियों के संबंध में जांच में यह स्पष्ट हुआ कि इन्हें ठगी और आर्थिक अपराधों के जरिए अर्जित किया गया था। पुलिस कोर्ट ने इन संपत्तियों की कुर्की के आदेश दिए थे, जिसके तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस का कहना है कि गैंगस्टर एक्ट के तहत अपराधियों की संपत्तियों की जांच और जब्ती की प्रक्रिया लगातार जारी है। अवैध तरीके से अर्जित संपत्ति को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस मित्र एवं मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को किया जागरूक

✱ एनसीआर टुडे. नगीना ✱

थाना प्रांगण में दोस्त पुलिस अभियान और मिशन शक्ति फेज 5 के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एम एम इंटर कॉलेज नगीना की छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को सुरक्षा अधिकारों और सहायता सेवाओं के बारे में जागरूक करना था। छात्राओं से संवाद किया साथ ही पुलिस और समाज के बीच विश्वास और सहयोग की भावना को मजबूत करना भी इसका लक्ष्य था। पुलिस क्षेत्राधिकारी नगीना अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने छात्राओं से संवाद स्थापित किया। उन्होंने आपातकालीन टोल फ्री नंबर 1090, 112 और 181 की जानकारी दी। छात्राओं को बताया गया कि ये सेवाएं संकट के समय त्वरित सहायता के लिए हमेशा तैयार हैं।

उन्हें यह भी समझाया गया कि किसी भी प्रकार के भय या उत्पीड़न की स्थिति में बिना हिचकिचाहट पुलिस से संपर्क करें। कार्यक्रम में पुलिसिंग को केवल कानून व्यवस्था तक सीमित न रखते हुए इसे एक संवेदनशील सेवा के रूप में प्रस्तुत किया गया। यहां पुलिस आम लोगों की सहायता, मार्गदर्शन और संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए कक्षा 7 की छात्रा

सादिया अंसारी और कक्षा 8 की छात्रा वजिहा परवीन को एक दिन की थाना अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इससे छात्राओं को प्रशासनिक कार्य का अनुभव मिला।

साथ ही उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी का भाव भी विकसित हुआ। इस अवसर पर दोस्त पुलिस अभियान का संदेश 'पुलिस आपकी दोस्त है, उसे जानिए और समझिए' छात्राओं के सामने प्रस्तुत किया गया। इससे समाज में पुलिस के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होगी। कार्यक्रम में उपस्थित उपनिरीक्षक सपना तोमर, उपनिरीक्षक बिंद्रेश, कांस्टेबल रेशमा, कांस्टेबल रीता, साक्षी और नेहा ने छात्राओं को महिला अधिकारों, आत्मरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव और विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

✱ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✱

बाइक सवार युवक की सड़क हादसे मौत से मचा कोहराम। हल्दौर रविवार शाम करीब सात बजे क्षेत्र के ग्राम मुकुंदपुर निवासी भूपेंद्र उर्फ बोबी 30 वर्ष पुत्र पवन सिंह अपनी माता को बाइक पर साथ लेकर अपनी ससुराल से अपने गांव आ रहा था। जैसे ही उसकी बाइक नूरपुर बिजनौर खूनी हाईवे पर अटटे वाले बाबा के मंदिर के समीप पहुंची तो वहां सड़क पर एक किमी दूर तक लगी खड़ी ट्रको लम्बी लाइन में एक ट्रक से उसकी बाइक टकरा गई जिससे दोनों मां बेटे गम्भीर रूप से घायल हो गए।

आनन-फानन में राहगीरों ने एम्बुलेंस द्वारा बिजनौर भेज दिया जिसमें भूपेंद्र की रास्ते में ही मौत हो गई और उसकी माता का इलाज बिजनौर के विवेक अस्पताल में चल रहा है भूपेंद्र एक मिलनसार और खुश दिल युवक था। भूपेंद्र अपने पीछे पत्नी व दो छोटे छोटे बच्चों को रोता बिलखता छोड़ गया है। भूपेंद्र की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है तो गांव में शोक व्याप्त हो गया है।बताते चले कि गाँव के प्रधान धर्मेंद्र सिंह उर्फ भोले, दीपक सिंह उर्फ बंटू सहित आधा दर्जन युवकों ने घटना की सूचना मिलते ही बिजनौर पहुँच कर मृतक की मां को ठीक उपचार के लिए विवेक हॉस्पिटल में भर्ती कराया। वहीं मृतक के पोस्ट मार्टम के साथ-साथ उसके अन्तिम संस्कार में भी शामिल रहे। गाँव में शोक की लहर दौड़ गयी थी। बड़ी संख्या में गाँव वालो ने बेहद मिलनसार स्वभाव के युवक बाबी के अन्तिम संस्कार में भी शामिल रहे।

पुत्री पैदा होने पर नाराज पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट

✱ एनसीआर टुडे. धामपुर ✱

जनपद बिजनौर के थाना धामपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां बेटी पैदा होने पर पति ने अपनी पत्नी की गला घोटकर हत्या कर दी,। इतना ही नहीं बल्कि परिजनों को सूचना दिए बगैर ही अंतिम संस्कार कर दिया। इस घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

दरअसल आपको बता दे यह पूरा खौफनाक मंजर धामपुर थाना क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले गांव गजरौला का है। यहां के रहने वाले मुकुल चौहान की शादी नजीबाबाद के रहने वाले माधो राम की बेटी रूबी से दो साल पहले हिंदू रीति रिवाज के अनुसार हुई थी हुई थी। पिता ने अपनी बेटी को अपनी हैसियत के मुताबिक काफी दान दहेज दिया था। लेकिन मुकुल चौहान उसके साथ इतने पर भी मारपीट करता रहता था। लेकिन मृतक रूबी सब सहती रही। इन्हीं ताना कशी के चलते 15 दिन पहले रूबी ने एक बेटी को जन्म दिया। जिसके बाद आरोपी पति पुत्री पैदा होने का नाम सुनते ही आग बबूला हो गया। और शनिवार की रात किसी समय उसने अपनी पत्नी रूबी की गला घोटकर हत्या कर दी।

इतना ही नहीं बल्कि पत्नी के परिजनों को सूचना दिए बगैर ही आरोपी पति ने मृतक रूबी के शव को शेरकोट खो बेराज पर ले जाकर अंतिम संस्कार भी कर दिया।

जब परिजनों को इस घटना का पता चला, तो कोहराम मच गया। परिजन लड़की रूबी की ससुराल पहुंचे तो गेट पर ताला लटका हुआ था। मगर मोहल्ले वालों से पूछताछ करने पर इस पूरी घटना की जानकारी मृतक रूबी के माता-पिता को दी। अब मृतक रूबी के माता-पिता ने इस खौफनाक घटना की जानकारी पुलिस को दी, उधर पुलिस का कहना है कि आरोपी मुकुल चौहान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया है। मृतक रूबी के माता-पिता का कहना है आरोपी मुकुल चौहान शादी के बाद से ही मृतका के साथ मारपीट करता था।

एक बार उसने मृतका के साथ मारपीट कर बिना पैसे दिए नजीबाबाद के लिए बस में बिठा दिया था।

जब भी मृतक रूबी ने किसी के फोन से घर पर सूचना दी थी, तब जाकर परिजन उसे लेने पहुंचे और टिकट कटवाया था।

उधर घटना के बाद फॉरेंसिक टीम शेरकोट श्मशान घाट स्थल पर पहुंची और कुछ अवशेष जांच के लिए अपने साथ ले गई।

गुलदार का पता लगाने में वन विभाग की टीम नाकाम, ग्रामीण में भयंकर रोष

✱ एनसीआर टुडे. नहटौर ✱

ग्राम मंडोरी में 8 वर्षीय कनिका को गुलदार द्वारा मार देने के 6 दिन का समय भी बीत जाने के बाद भी वन विभाग की टीम गुलदार का पता लगाने में नाकाम रही है। जिसको लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

वन विभाग की टीम ने गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरो की संख्या तीन से बढ़ाकर चार कर दी हैं। गौरतलब है कि ग्राम मंडोरी निवासी रवि की 8 वर्षीय पुत्री कनिका को घर के सामने से गुलदार उठा कर ले गया था। 12 घंटे बाद करीब आधा किलोमीटर दूर बालिका का अधखाया हुआ शव ईख के खेत से बरामद किया गया था।

इस मामले में डीएफओ बिजनौर, एसडीएम धामपुर, सीओ धामपुर ने घटनास्थल का दौरा करके पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने व गुलदार को पकड़वाए जाने का आश्वासन दिया था। 6 दिन का समय बीत जाने के बाद भी वन विभाग की टीम गुलदार का पता लगने में नाकाम रही जबकि गांव के जंगलों में ट्रैप कैमरा व तीन पिंजरे ड्रोन कैमरा से सर्च अभियान चलाने के बाद भी गुलदार का कोई अता पता नही चला है।

गुलदार लगातार गांव में अपनी दस्तक दे रहा है। दस्तक देने को लेकर किसी बड़ी घटना को आशंका को देखते हुए ग्रामीण में रोष व्याप्त है। वन रेंजर गोविंद राम गंगवार ने बताया की विभाग द्वारा लगातार गुलदार की तलाश हेतु कांबिंग की जा रही है।

तीन पिंजरे के बाद अब गांव की सीमा पर एक पिंजरा और लगा दिया गया है यह पिंजरा गांव के वाल्मीकि बस्ती के पास लगाया गया है तथा उसे पिंजरे में जानवर(सूकर) को रखा गया है ताकि उसकी खुशबू से शिकार के लिए गुलदार आए तथा शिकार के लालच में पिंजरे में कैद हो जाए।

इकराम की माताजी के दफ़ीने मे पहुँचे मनोज पारस कब्र को मिट्टी दी

नगीना। मौहल्ला काजी सराय नगीना के निवासी इकराम की अम्मी का इंतकाल हो गया। जिसकी सूचना विधायक नगीना पूर्व मंत्री उ०प्र० सरकार माननीय मनोज पारस जी को मिलने पर उन्होंने उनके जनाजे में शिरकत की और अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की एवं अल्लाह ताला से दुआ कि अल्लाह मरहूम की मगफिरत फरमाए एवं घरवालों को सबरे जमील अता फरमाए आमीन !! इस दुःख की घड़ी में उनके साथ जयप्रकाश चंदेल प्रदेश सचिव बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी समाजवादी पार्टी,भूरे सिंह प्रदेश सचिव अनुसूचित प्रकोष्ठ इकबाल कुरैशी शहजाद काजी जुनेद कुरैशी आरिफ सिद्दीकी हाफिज राफीक वसीम अंसारी एडवोकेट मौजूद रहे।

वंदन योजना के तहत सीसी रोड का उद्घाटन

✱ एनसीआर टुडे. झालू ✱

वंदन योजना के अंतर्गत रामलीला मैदान के पीछे बनी सीसी रोड का

उद्घाटन नगर पंचायत झालू के अध्यक्ष श्री लोकेंद्र चौधरी जी के कर-कमलों द्वारा किया गया।

उद्घाटन समारोह में श्री महेंद्र सिंह धीमान, महेंद्र पाल राणा, राजू मेडिकल वाले, सुरेंद्र, शिव कुमार, रामपाल सिंह, अमरपाल सिंह, अरुण कुमार, गजेंद्र सिंह, अनुज अग्रवाल (लिपिक) एवं अनिल कुमार (लिपिक) सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्थानीय जनता ने इस विकास कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए, नगर अध्यक्ष श्री लोकेंद्र चौधरी, नगर विकास मंत्री एवं नगर पंचायत प्रशासन का आभार व्यक्त किया। लोगों ने कहा कि इस सीसी रोड के निर्माण से आवागमन की सुविधा में सुधार हुआ है और क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। अध्यक्ष श्री चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि नगर का चहुंमुखी विकास ही उनका उद्देश्य है और सभी वार्डों में आवश्यक सुविधाएं चरणबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी।

धामपुर एसडीएम को जान से मारने की धमकी, अज्ञात व्यक्ति ने मोबाइल पर भेजा मैसेज, 15 लाख मांगे

✱ एनसीआर टुडे. धामपुर ✱

धामपुर तहसील में तैनात एसडीएम रीतू रानी को अज्ञात व्यक्ति ने मोबाइल पर मैसेज भेजकर जान से मारने और 15 लाख रुपए की धमकी दी है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना 24 जुलाई की है। दोपहर करीब 2:50 बजे एसडीएम रीतू रानी के सीयूजी नंबर पर कई मैसेज और फोटो भेजे गए। धमकी देने वाले ने एन आईए के डिप्टी एसपी तंजील अहमद हत्याकांड का जिक्र करते हुए एसडीएम को धमकाया।

मैसेज में अज्ञात व्यक्ति ने एसडीएम से विभिन्न मोबाइल नंबरों पर बारकोड के जरिए पेमेंट करने का दबाव बनाया। इस घटना के बाद पुलिस में हड़कंप मच गया। एसडीएम रितु रानी ने धमकी के स्क्रीनशॉट समेत पुलिस को तहरीर सौंपी है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है पर आरोपी की तलाश कर रही है। अधिकारियों ने मामलों को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है।

संपादकीय

चाइनीज मांझा : खुलेआम बिकती मौत की धार

हर शहर, हर गली, हर मोहल्ले में, जब बच्चे और किशोर पतंग उड़ाने निकलते हैं, तो उनका उद्देश्य केवल आसमान छूना होता है। लेकिन दुर्भाग्य से अब पतंग की यह उड़ान कई बार किसी की जान लेकर ही थमती है। इसका कारण कोई आम धागा नहीं, बल्कि एक जानलेवा उत्पाद है-चाइनीज मांझा। यह मांझा अब केवल पतंगों की डोर नहीं रहा, यह सड़क पर चल रहे आम आदमी की जिंदगी का दुश्मन बन चुका है। हर दिन अख़बारों में ऐसी खबरें आती हैं कि फलां व्यक्ति की गर्दन मांझे से कट गई, किसी पक्षी के पर मांझे में उलझकर छिल गए, किसी स्कूली बच्चे का गला बुरी तरह घायल हो गया, कोई बाइक सवार अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा, क्योंकि उसे नहीं पता था कि उसकी राह में मौत एक पारदर्शी धागे में लटकी हुई है।

आज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहाँ टेक्नोलॉजी ने हर चीज को तेज, धारदार और सस्ता बना दिया है। उसी का दुष्परिणाम है यह चाइनीज मांझा। यह नायलॉन, प्लास्टिक और धातु के महीन रेशों से बना होता है जो देखने में भले ही सामान्य डोर लगे, लेकिन इसमें शीशे की तरह तीखी धार होती है। यह ना टूटता है, ना गलता है और ना ही आसानी से दिखाई देता है। यह हवा में लहराता है और जब किसी की गर्दन, चेहरे या हाथ से टकराता है तो त्वचा को चीरता हुआ शरीर में गहरा घाव छोड़ जाता है। कई मामलों में तो यह मांझा किसी धारदार हथियार की तरह काम करता है और गले की नसों तक को काट देता है, जिससे तुरंत खून का बहाव रुकता नहीं और पीड़ित की जान तक चली जाती है।

सवाल यह है कि जब यह मांझा इतना जानलेवा है, तो इसका खुलेआम व्यापार कैसे हो रहा है? सड़कों के किनारे, बाजारों में, ऑनलाइन वेबसाइटों पर, यह चाइनीज मांझा अब भी बेचा जा रहा है। प्रतिबंध केवल कागजों में दर्ज है, जमीनी स्तर पर न कोई कार्रवाई हो रही है, न ही कोई सख्ती। प्रशासन की यह चुप्पी इस मांझे जितनी ही धारदार और खतरनाक है। एक तरह से यह मौन स्वीकृति है उस उत्पाद के लिए, जो हर दिन किसी के खून से लाल हो रहा है। कानून होने के बावजूद जब कार्यवाही नहीं होती, तो जनता का विश्वास टूटता है और गलत व्यापारियों के हौसले और बुलंद हो जाते हैं।

समस्या यह भी है कि इस मांझे को उपयोग करने वालों को इसके दुष्परिणामों की गंभीरता का अंदाजा नहीं होता। उन्हें लगता है कि यह मांझा मजबूत है, इससे पतंगें ज्यादा काटी जा सकती हैं और प्रतिस्पर्धा में जीत हासिल की जा सकती है। पर वे भूल जाते हैं कि यह जीत किसी की जिंदगी की हार बन सकती है। अगर वे एक बार भी अस्पतालों की इमरजेंसी वार्ड में जाकर देखें कि चाइनीज मांझे से घायल लोग कैसी हालत में होते हैं, तो शायद वे कभी भी इसे हाथ में न लें। कई बार तो बच्चे भी इस मांझे के कारण जख्मी होते हैं। उनके नाजुक शरीर पर यह मांझा ऐसी चीर देता है जिसे देखकर दिल दहल जाता है। कल्पना कीजिए, एक मासूम बच्चा साइकिल चला रहा हो और अचानक उसके चेहरे से यह मांझा लिपट जाए- उसकी आंखें, गालों या गर्दन पर जो जख्म होगा, वह जीवनभर नहीं भरेगा।

यह मांझा केवल इंसानों के लिए नहीं, पशु-पक्षियों के लिए भी अभिशाप बन गया है। हर वर्ष हजारों पक्षी पतंगों के इस मांझे में फंसकर घायल होते हैं या दम तोड़ देते हैं। खासकर मकर संक्रांति और स्वतंत्रता दिवस जैसे अवसरों पर जब पतंगबाजी चरम पर होती है, तो आकाश में उड़ती चीलें, कबूतर, तोते और अन्य पक्षी इस मांझे में उलझकर घायल हो जाते हैं। कई पक्षियों के पर कट जाते हैं, कुछ की आंखें फूट जाती हैं और कुछ तो पेड़ों या छतों से उलझे मांझे में लटककर मर जाते हैं। ये दृश्य किसी भी संवेदनशील इंसान को भीतर से झकझोर देते हैं, पर दुर्भाग्य है कि पतंग के खेल में हम केवल अपनी जीत का रोमांच देखते हैं, किसी की जान जाने की पीड़ा नहीं। प्रशासन अगर चाहे, तो इस पर तुरंत कार्रवाई हो सकती है।

सबसे पहले तो सभी जिलों में विशेष अभियान चलाकर चाइनीज मांझे की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करना होगा। बाजारों में दुकानों की नियमित जांच की जाए और जिस भी व्यापारी के पास यह मांझा पाया जाए, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। केवल जुर्माना नहीं, बल्कि जेल की सजा का प्रावधान भी होना चाहिए ताकि लोग डरें। साथ ही समाज के स्तर पर भी जागरूकता अभियान जरूरी है। स्कूलों, कॉलोनियों, पंचायतों और युवाओं के बीच इस मांझे के दुष्परिणामों की जानकारी दी जाए। रेडियो, टीवी और सोशल मीडिया के जरिए इसे आम जनता तक पहुंचाया जाए।

यह जिम्मेदारी सिर्फ प्रशासन की नहीं, हम सबकी है। अगर हममें से हर कोई संकल्प ले कि हम इस मांझे का उपयोग नहीं करेंगे, तो व्यापारी खुद-ब-खुद इसे बेचना बंद कर देंगे। हर घर में यह निर्णय लिया जाए कि बच्चों को इस मांझे से दूर रखा जाएगा और उन्हें समझाया जाएगा कि जीत वही सच्ची होती है जो दूसरों को हानि पहुंचाए बिना हासिल की जाए। आखिर इंसानियत से बढ़कर कोई खेल नहीं हो सकता।

यह भी समझना होगा कि हमारी सड़कों पर यह मांझा केवल दुर्घटना नहीं, एक हत्या का माध्यम बन चुका है। कोई बाइक सवार जो रोज की तरह अपने काम पर जा रहा था, उसकी गर्दन कट जाती है और वह मौके पर ही दम तोड़ देता है। परिवार इंतजार करता रह जाता है, लेकिन लौटता है एक शव। यह घटना अब दुर्लभ नहीं, बार-बार हो रही है। इसे दुर्घटना कहना अब अपराध है। इसे रोकना नैतिक, कानूनी और मानवीय कर्तव्य है।

चाइनीज मांझे पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के लिए जितनी जल्दी कदम उठाए जाएंगे, उतनी ही जल्दी हम अनगिनत ज़िंदगियाँ बचा सकते हैं। अगर हम अब भी नहीं जागे, तो आने वाले समय में यह मांझा किसी अपने की जान लेकर ही चेतावनी बनेगा। एक सभ्य समाज वह नहीं जो केवल कानून बनाए, बल्कि वह होता है जो हर व्यक्ति की सुरक्षा की गारंटी देता है। और जब सड़कों पर, छतों पर, आसमान में मौत इस मांझे के रूप में तैर रही हो, तब सबसे ज़रूरी है इस मौत की डोर को काट देना। अब वक्त आ गया है कि हम कहें – 'पतंग उड़ाइए, लेकिन ज़िंदगी नहीं गिराइए।'

अब भारत-ब्रिटेन में व्यापार का नया दौर

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 24 जुलाई को भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर की मौजूदगी में हस्ताक्षर हुए हैं। इसे आधिकारिक तौर पर सीईटीए (व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता) के नाम से जाना जाएगा। यह महत्वपूर्ण है कि भारत में 22 जुलाई को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एफटीए को मंजूरी दे दी है, अब ब्रिटेन के द्वारा संसद की मंजूरी ली जाएगी।

पूरी दुनिया की निगाहें इस समझौते पर इसलिए लगी रही, क्योंकि भारत बढ़ते भूराजनीतिक ध्रुवीकरण के बीच अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ भी एफटीए की अंतिम कवायद में लगा है। गौरतलब है कि भारत-ब्रिटेन का यह एफटीए इसी वर्ष दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन रहे भारत और छठी बड़ी अर्थव्यवस्था ब्रिटेन के बीच न्यायसंगत और महत्त्वाकांक्षी व्यापार के लिए नए मापदंड स्थापित करते हुए दिखाई दे रहा है।

भारत का ब्रिटेन के साथ यह अब तक का सबसे व्यापक ऐसा ऐतिहासिक एफटीए है, जो दुनिया के प्रमुख देशों के लिए भारत के साथ तत्परता से मुक्त व्यापार समझौतों की डगर पर आगे बढ़ने की नजीर बनते हुए दिखाई दे रहा है। इस एफटीए से भारत और ब्रिटेन के बीच वर्ष 2030 तक व्यापार दोगुना होकर 120 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह एफटीए भारत और ब्रिटेन दोनों देशों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, विकास, रोजगार सृजन और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि हाल ही में जब अमेरिका-चीन में नई सुलह के बाद अमेरिका ने चीन के उत्पादों पर आयात शुल्क घटा दिए हैं, तब भारत के द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों की डगर पर तेजी से बढ़ना लाभप्रद दिखाई दे रहा है। उल्लेखनीय है कि इस एफटीए से ब्रिटेन के बाजारों में भारत को लगभग 99 फीसदी उत्पादों पर शून्य टैरिफ का लाभ मिलेगा और भारतीय वस्तुओं के लिए ब्रिटेन के बाजार में चीनी उत्पादों और अन्य देशों के उत्पादों के मुकाबले प्रतिस्पर्धा में मदद मिलेगी।

भारत को ब्रिटेन में कई कृषि उत्पादों जैसे फल, सब्जियां, अनाज, हल्दी, काली मिर्च, इलायची तथा प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे रेडी-टू-ईट खाद्य, आम का पल्प (मैंगो पल्प), अचार और दालों तक शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। एफटीए उभरते उत्पादों, जैसे कटहल, बाजरा और जैविक जड़ी-बूटियों के लिए नए बाजार तक पहुंच बनाता है, जिससे किसानों को घरेलू मूल्य अस्थिरता के खिलाफ विविधता लाने में मदद मिलेगी है।

खास बात यह है कि भारत संवेदनशील क्षेत्रों- डेयरी उत्पाद, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई टैरिफ रियायत नहीं दे रहा है। एफटीए के टैरिफ उन्मूलन से विशेष रूप से झींगा, टूना, मछली आहार और आहार में तीव्र वृद्धि होने की उम्मीद है। इसी तरह एफटीए के स्वच्छता और पादप स्वच्छता (एसपीएस) उपायों से भारतीय निर्यातकों को आसानी से ब्रिटेन के मानकों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

एफटीए, मूल्यवर्धित मसालों, चाय और कॉफी उत्पादों, विशेषकर भारतीय इंस्टेंट कॉफी का ब्रिटेन को निर्यात बढ़ाने के लिए एक सशक्त मंच तैयार करेगा। कम टैरिफ और सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं के साथ, भारतीय तिलहन निर्यातक ब्रिटेन के बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं, जिससे संभावित रूप से निर्यात में वृद्धि हो सकती है। वस्त्र व परिधान क्षेत्र के लिए शून्य शुल्क के साथ बाजार पहुंच भारत को बांग्लादेश, पाकिश्तान और कंबोडिया की तुलना में शुल्क संबंधी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इन देशों को ब्रिटेन

के बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच प्राप्त थी। मुक्त व्यापार समझौते के तहत भारत से कपड़ा आयात पर शुल्क समाप्त कर दिया गया है, जिससे भारत की प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता बढ़ गई है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि एफटीए के तहत टैरिफ उन्मूलन के साथ, ब्रिटेन को इंजीनियरिंग निर्यात अगले पांच वर्षों में लगभग दोगुना हो सकता है।

शून्य-शुल्क पहुंच से इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में तेजी आने की उम्मीद है, साथ ही स्मार्टफोन, ऑप्टिकल फाइबर केबल और इनवर्टर के कारण ब्रिटेन के बाजार में भारत की स्थिति मजबूत होगी। सॉफ्टवेयर और आईटी-सक्षम सेवाओं के लिए ब्रिटेन की महत्वाकांक्षी प्रतिबद्धताएं, नए बाजारों को खोलने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और भारतीय सॉफ्टवेयर फर्मों के लिए निर्यात क्षमता को बढ़ाएगी।

एफटीए के तहत शून्य टैरिफ प्रावधानों से ब्रिटेन के बाजार में भारतीय जेनेरिक दवाओं की प्रतिस्पर्धात्मकता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है, जो यूरोप में भारत का सबसे बड़ा दवा निर्यात गंतव्य बना हुआ है। शुल्क मुक्त पहुंच से प्लास्टिक, फिल्म, शीट, पाइप, पैकेजिंग, टेबलवेयर और किचनवेयर के लिए ब्रिटेन की मजबूत मांग का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां भारत ने विनिर्माण क्षमता सिद्ध कर ली है। श

ुल्क मुक्त पहुंच से भारत को ब्रिटेन के प्रमुख आयात स्त्रोतों जैसे जर्मनी, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, नीदरलैंड, बेल्जियम और फ्रांस के साथ बेहतर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी। यह भी उल्लेखनीय है कि एफटीए के साथ ही दोनों देशों ने दोहरे अंशदान समझौते या सामाजिक सुरक्षा समझौते पर भी मुहर लगाई है। इस समझौते से ब्रिटेन में काम करने वाले भारतीय कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा भुगतान से तीन साल की छूट मिलेगी।

इस करार से ब्रिटेन में न केवल कुशल, पेशेवर श्रमिकों के हितों की रक्षा होगी बल्कि भारतीय सेवा प्रदाताओं को बहुआयामी वित्तीय लाभ भी होंगे। चूंकि भारत और ब्रिटेन पहले ही विश्व के अग्रणी देश हैं और ऐसे में दोनों देश विभिन्न क्षेत्रों में आदर्श साझेदार बन सकते हैं और तमाम ब्रिटिश व भारतीय कारोबारियों को तकनीक और ग्रीनटेक में साथ मिलकर काम करने का मौका मिलेगा। निःसंदेह ब्रिटेन के लिए भारत में करीब 90 फीसदी उत्पादों पर शुल्क में कमी के प्रावधान ब्रिटेन को भी लाभान्वित करेंगे। खासतौर से ब्रिटेन के लिए भारत में व्हिस्की, कार व अन्य उत्पाद निर्यात करना आसान हो जाएंगे। ब्रिटेन ने ब्रिटिश उत्पादों खास तौर से खाने के सामान से लेकर पेय पदार्थ के लिए भारत की उपभोक्ता प्रधान अर्थव्यवस्था और 140 करोड़ से अधिक ग्राहकों के बड़े बाजार तक सरल पहुंच निश्चित की है।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि अमेरिका द्वारा लागू की जा रही संरक्षणवादी व्यापार नीतियों के कारण वैश्विक व्यापार में उथल-पुथल को देखते हुए भारत और ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में तत्परता दिखाई है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि भारत-ब्रिटेन भारत के साथ एफटीए दोनों देशों के कारोबार को बढ़ाने के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। यह भारत के साथ ब्रिटेन की रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के ब्रिटेन के महत्वाकांक्षी एजेंडे का हिस्सा भी है।

इस एजेंडे के तहत ब्रिटेन भारत को विश्व के महाशक्ति देशों के बीच अहम स्थान प्रदान करता है। उम्मीद करें कि 24 जुलाई को भारत के द्वारा ब्रिटेन के साथ किया गया मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के द्विपक्षीय कारोबार के लक्ष्य के मद्देनजर मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश से निर्यात बढ़ेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसरों का निर्माण होगा। उम्मीद करें कि ब्रिटेन के साथ भारत का एफटीए अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे बड़े देशों के साथ चल रही एफटीए वार्ताओं में एक मॉडल के रूप में काम करेगा और भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जा सकेगा। इस तरह भारत के सामने अपना व्यापार बढ़ाने का नया मौका है।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

एनसीईआरटी : नफरत को बढ़ावा देने को इतिहास का इस्तेमाल

राम पुनियानी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) वह संस्था है जो स्कूली पाठ्यपुश्तकों की सामग्री के संबंध में अंतिम निर्णय लेती है।

पिछले कुछ दशकों से विद्यार्थियों को तार्किक व निष्पक्ष ढंग से हमारे अतीत के बारे में ज्ञान देने की बजाए इसकी किताबें साम्प्रदायिक नजरिया पेश करने का जरिया बन गई हैं। चूंकि इतिहास युवा दिमागों की समझ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए पाठ्यक्रम को साम्प्रदायिक रंग देने से विभिन्न तरीकों से पहले ही बेगाने बना दिए गए समुदाय (मुसलमानों) के प्रति मौजूदा नफरत और बढ़ेगी।

अंग्रेजों ने जो इतिहास लेखन किया वह राजाओं को उनके धर्म के चश्मे से देखता था। राजा केवल दौलत और सत्ता की खातिर राज करते थे मगर उन्हें इस तरह पेश किया गया मानो उनका एकमात्र एजेंडा अपने-अपने धर्म को बढ़ावा देना था। इस तथ्य को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया कि बहुत से युद्ध एक ही धर्म के राजाओं के बीच हुए थे।

उनकी सेनाओं में दोनों धर्मों के सैनिक होते थे। उन्होंने बहुत से ऐसे काम किए, बल्कि ज्यादातर ऐसे काम किए, जिन्हें आज के दौर के पैमानों पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। अपने साम्राज्य के विश्तार के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कई बार दो पड़ोसी राज्यों के राजाओं के बीच युद्ध होते थे। युद्ध सबसे अमानवीय कृत्य होता है, और इन युद्धों में बरती गई निर्दयता या राजाओं के अन्य बुरे काम किसी एक धर्म के राजाओं तक सीमित नहीं थे।

जहां शिवाजी ने पहला युद्ध चन्द्र राव मोरे के खिलाफ लड़ा, वहीं बाबर को अपना राज स्थापित करने और भारत में अपने वंश की नींव डालने के लिए इब्राहिम लोधी को पराजित करना पड़ा। महान चोल और चालुक्य राजाओं के बीच भी एक युद्ध हुआ। राजाओं को उनके दौर से अलग करके नहीं देखा जा सकता। आज के भारत में मुगल राजाओं द्वारा ढाए गए जुल्मों को उनके संदर्भ, उनके दौर से अलग करके प्रश्तुत किया जा रहा है ताकि उन्हें कलुषित किया जा सके।

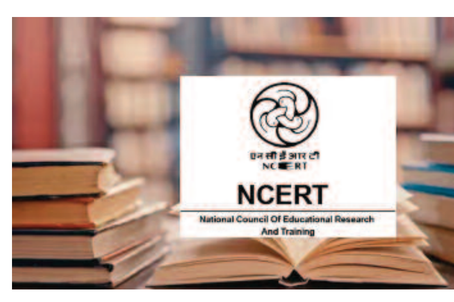

एक अन्य बात भी समझनी जरूरी है और वह यह कि राजाओं के प्रशासनिक ढांचे में दोनों धर्मों के लोग होते थे, लेकिन एक जटिल प्रक्रिया के माध्यम से मुस्लिम राजाओं को आज के मुसलमानों के साथ और हिंदू राजाओं को आज के हिंदुओं के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। मुसलमान राजाओं के दानवीकरण का हर नया दौर, आज के मुसलमानों को और अलग-थलग कर देता है और उनकी मुसीबतें बढ़ा देता है।

ये सारी बातें एक बार फिर दोहराने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुश्तक सार्वजनिक हो गई है। इसमें 13वीं से 17वीं शताब्दी तक भारत के इतिहास का पुनरीक्षित विवरण दिया गया है।

यह पुश्तक 'समाज का अध्ययनः भारत और उसके आगे' श्रृंखला का हिस्सा है। यह एनसीईआरटी द्वारा दिल्ली सल्तनत और मुगलकाल के बारे में विद्यार्थियों को बताने वाली पुश्तकों की श्रृंखला में पहली है। इस बार एनसीईआरटी ने मुस्लिम राजाओं का दानवीकरण करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उसके अनुसार मंदिरों को ध्वश्त करने का उद्देश्य मूर्तियों को तोड़ना था। लेकिन यदि हम मंदिरो को ध्वश्त किए जाने की घटनाओं का गहराई से अध्ययन करेंगे तो एक अलग ही कहानी सामने आएगी। हम जानते हैं कि कल्हण रचित 'राजतरंगिणी; में राजा हर्षदेव के बारे में बताया गया है कि उन्होंने देवोत्तपतन नायक पदनाम से एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति की थी जिसकी जिम्मेदारी थी देवताओं की मूर्तियों को नष्ट करना। उन्हांने ऐसा दौलत हासिल करने के लिए किया था, क्योंकि मूर्तियों के नीचे अक्सर सोने-चांदी के जवाहरात दबे होते थे। हर्षदेव संभवतः सबसे ज्यादा मंदिरों को नष्ट करने वाले राजा थे।

अब किसी विश्वसनीय स्त्रोत से पुष्टि के बिना औरंगजेब द्वारा नष्ट किए गए मंदिरों की संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। यह सच है कि औरंगजेब ने कुछ मंदिरों को तोड़ने का आदेश दिया था लेकिन उसके द्वारा नष्ट किए गए मंदिरों की संख्या से ज्यादा बड़ी संख्या ऐसे मंदिरों की है जिन्हें उसने दान दिया। 'फरमान्स ऑफ किंग औरंगजेब' शीर्षक डॉ. विश्वम्भरनाथ पांडे द्वारा लिखित पुश्तक में उन असंख्य मंदिरों की सूची दी गई है जिन्हें औरंगजेब ने दान दिए।

जहां तक बाबर का सवाल है, उसके द्वारा राम मंदिर नष्ट किया जाना, दोनों समुदायों के बीच खाई को गहरा करने वाला मुख्य मुद्दा बन गया। इलाहबाद उच्च न्यायालय ने हिंदुओं को मस्जिद का एक हिस्सा दिए जाने का फैसला 'आस्था' के आधार पर दिया, ना कि किसी विधिक तर्क के आधार पर। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में भी मस्जिद के नीचे मंदिर होने की बात को सही नहीं माना गया।

राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली में मौजूद बाबर की वसीयत के मुताबिक बाबर ने हुमांयू को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया था कि मंदिरों को नष्ट न किया जाए और गौवध न हो क्योंकि यहां बहुसंख्यक लोग हिंदू हैं और उनकी आस्था और भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। यह इस बात का सबूत था कि बाबर एक व्यवहारिक शासक था।

एनसीईआरटी की पुश्तक में चित्तौड़गढ़ में 30,000 लोगों के कत्ल और अकबर के मंदिरों को नष्ट करने के आदेश का हवाला दिया गया है। चित्तौड़गढ़ की घेराबंदी में राजपूत राजा भगवंत दास, अकबर के सहयोगी थे। यह पक्के तौर पर कहा जा सकता है कि बहुत से हिन्दू राजाओं ने भी इसी तरह के काम किए थे। चोलों और चालुक्यों के बीच हुए युद्ध में विजयी चोलों ने पूरे शहर को नष्ट कर दिया था और बहुत से जैन मंदिरों को भी जमींदोज किया था। पुष्यमित्र शुंग ने बौद्ध भिक्षुओं की हत्या और बौद्ध विहारों और श्तूपों को नष्ट करने का अभियान चलाया था। बाल सामंत की पुश्तक 'शिवकल्याण राजा' हमें शिवाजी की सेना द्वारा सूरत में की गई लूटपाट, आगजनी और लोगों पर हमलों के बारे में बताती है। यह सब राजशाही के उस दौर में आम था।

युद्धों में निर्ममता बरती जाती थी और इसका राजा के धर्म से कोई संबंध नहीं था। जिस सबसे बड़े तथ्य को नजरअंदाज किया जाता है या छुपाया जाता है वह यह है कि मुगल राजाओं की सेनाओं में हिंदू राजपूत सैनिक होते थे और हिंदू राजाओं की सेनाओं में मुस्लिम सैनिक। अन्यों के अलावा अकबर की सेना में मानसिंह थे और औरंगजेब की सेना में जयसिंह और जसवंत सिंह थे।

राणा प्रताप की सेना के सेनापति हाकिम खान सूर थे और दौलत खान, इब्राहिम गर्दी और बहुत से सिद्दी शिवाजी महाराज के साथ थे। इस पुश्तक में इतिहास का विवरण चुन-चुनकर दिया गया है, और कई मामलों में मुसलमानों के हिंदू राजाओं के साथ होने या हिंदुओं के मुस्लिम राजाओं के साथ होने की बात को छिपाया गया है।

जहां बाबर, अकबर और औरंगजेब की क्रूरता का विवरण दिया गया है वहीं उनके प्रशासन और सेना में दोनों धर्मों के लोगों के होने का जरा सा भी जिक्र नहीं है। इसी तरह तथ्य यह है कि मुगल साम्राज्य के पूरे दौर में जज़िया लागू नहीं था। अकबर 1560 में राजगद्दी पर बैठा और उसने दो-तीन साल के अंदर जज़िया हटा दिया।

जज़िया धर्म-परिवर्तन को प्रोत्साहित नहीं करता था, बल्कि वह गैर-मुसलमानों पर लगाया जाने वाला एक कर था, जिन्हें धिम्मी कहा जाता था अर्थात वह समुदाय जिसे मुस्लिम राज्य का संरक्षण हासिल था। ब्राम्हणों और महिलाओं को इस कर से छूट थी। इससे धर्म परिवर्तन को प्रोत्साहन इसलिए नहीं मिलता था क्योंकि मुसलमानों को ज़कात का भुगतान करना होता था, जो लगभग जज़िया के बराबर थी।

इस काल को इतिहास का काला दौर कहा जा रहा है। इतिहास के हर दौर के कुछ उजले पहलू होते हैं और कुछ शर्मनाक। इस काल में अति मानवीय सूफी और भक्ति परंपराओं का उदय हुआ। इस काल में ही सिक्ख धर्म की स्थापना हुई और वह फला-फूला। इतिहास के इस काल में ही दोनों प्रमुख धर्मों की परंपराओं के सामाजिक और सांस्कृतिक मेलमिलाप से एक मिश्रित संस्कृति - गंगा-जमुनी तहजीब - का उदय हुआ। इस काल में ही दोनों धर्मों की कई प्रथाओं के संश्लेषण से इस सरज़मीं के रीति-रिवाजों ने आकार लिया।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

क्या अंग्रेजों के लिए बने हैं हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट?

अर्जुन देशप्रेमी

अर्जुन देशप्रेमी

भारत के कानून क्या अंग्रेजों के लिए बनाये गए हैं? क्या जिस देश में मात्र 0.02 प्रतिशत लोगों की मातृभाषा अंग्रेजी हो, कानून उनके लिए होना चाहिए और उनकी ही भाषा में हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही होनी चाहिए? या जिन 46.63 प्रतिशत लोगों की मातृभाषा (हिंदी) हो और जिसे देश के लगभग 80 प्रतिशत लोग बोल और समझ लेते हों, उसको हाई कोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में अपनाया जाना चाहिए?

ज्यादातर मराठी, गुजराती, राजस्थानी, भोजपुरी, मगही, मैथिलि, अवधी, हरीयाणवी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, तेलुगु, संस्कृत, कन्नड़ बंगाली, मणिपुरी जैसी मातृभाषा वाले भी हिंदी आसानी से सीख, बोल और पढ़ लेते हैं। कायदे से यह संपर्क भाषा भी है। यह प्रश्न एक बार फिर इसलिए सामने आया है क्योंकि उत्तराखंड जैसे हिंदी भाषी राज्य के हाई कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदी पर फिर सवाल उठा दिया है। उनका मत है कि जिसको अंग्रेजी नहीं आती, वह अधिकारी के पद पर काम कैसे कर सकता है? क्या वह अधिकारी के पद के योग्य है? ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट अंग्रेजों के लिए बने हैं?

दरअसल उत्तराखंड हाईकोर्ट ने बीती 18 जुलाई को नैनीताल के बुधलाकोट ग्राम सभा की वोटर लिस्ट में बाहरी लोगों के नाम शामिल करने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। पेशी के दौरान उत्तराखंड हाईकोर्ट ने निर्वाचन आयोग से जो सवाल पूछे थे, उसके जवाब हिंदी में दिया गया, जिस पर कोर्ट ने एडीएम श्तर के एक अधिकारी पर अंग्रेजी की जानकारी नहीं होने पर सवाल उठाया है।

कोर्ट ने कहा कि जिसे अंग्रेजी का ज्ञान नहीं है, क्या वो अधिकारी किसी कार्यकारी पद को प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर सकता है। कैसे वो उच्च न्यायालय के आदेशों का अनुपालन करते हैं, जब अंग्रेजी भाषा का ज्ञान नहीं है। कोर्ट ने उनसे जो सवाल अंग्रेजी में पूछे वो उसका उत्तर हिंदी में देते रहे। जिस पर कोर्ट ने नाराजगी व्यक्त करते हुए यह टिप्पणी की।

कोर्ट के सामने पेश हुए एक एडीएम विवेक राय ने कहा कि उन्हें अंग्रेजी नहीं आती है, पर वे समझ लेते हैं। लेकिन बोलने में उन्हें परेशानी होती है। यानि ऐसा भी नहीं है कि उनको अंग्रेजी नहीं आती है। पर कोर्ट तो कोर्ट है।

हाई कोर्ट की इस टिप्पणी पर हिंदी और देश के कानूनों, अदालतों में देशी भाषाओं की दुर्गति पर नए सिरे से बहस छिड़ चुकी है और इसपर व्यापक चर्चा के बाद उचित कदम उठाये जाने की जरूरत है। अदालतें आम लोगों के लिए हैं, न कि अंग्रेजी दा गिने चुने लोगों के लिए। फिर आज़ादी के लगभग 8 दशक बाद भी ऐसा क्यों हो रहा है कि उच्च अदालतें उसी भाषा को अपना रही हैं जिसे लोग समझते ही नहीं हैं और जिसके लिए उनको दूसरों का मुंह देखना पड़ता है। बिना अंग्रेजी दा वकील के वे उच्च अदालतों में न अपनी बात रख पाते हैं, न ही वहां क्या हो रहा है, क्या बोला जा रहा है, क्या फैसला हो रहा है, समझ पाते हैं।

हालांकि ऐसा भी नहीं हैं कि हिंदी को सिरे से खारिज कर दिया गया है। चार उच्च न्यायालय, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार, अपनी कार्यवाही और

कानूनी दशतावेजों में हिंदी का उपयोग करने की अनुमति देते हैं।

संविधान के अनुच्छेद 348(2) के अनुसार, राज्यपाल, राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से, उच्च न्यायालय में हिंदी या राज्य की आधिकारिक भाषा के उपयोग को अधिकृत कर सकता है। और जब ऐसा है तो फिर सभी हाई कोर्ट्स में ऐसा क्यों नहीं है? खासकर हिंदी भाषी राज्यों में जिसमे उत्तराखंड भी शामिल है, उसमे हिंदी क्यों नहीं?

एक मजेदार किस्सा याद आता है जब पटना हाई कोर्ट में एक वकील साहब हिंदी बोलते रहे और जज साहब उनसे अंग्रेजी बोलने या अंग्रेजी में अनुवाद देने के लिए कहते रहे। जज साहब का कहना था कि उनको हिंदी नहीं आती।

वकील साहब का भी कहना था कि उनको अंग्रेजी नहीं आती। और मामला यहीं घुमने लगा। आजकल लाइव स्ट्रीमिंग के कारण यह पूरा वाकया लोग देखते रहे। कई अन्य अवसरों पर भी हिंदी को लेकर जजों के पूर्वाग्रह दिखते हैं।

जहाँ तक संविधान की बात है, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों का प्रश्न है, भारत के संविधान के अनुच्छेद 348(1)(ए) में कहा गया है कि इन न्यायालयों में सभी कार्यवाही अंग्रेजी भाषा में होगी। हालांकि, भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 (2) में इस बात का प्रावधान है कि किसी राज्य का राज्यपाल, राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से, उस राज्य में स्थित उच्च न्यायालय के प्रधान पीठ की कार्यवाही में हिंदी भाषा या उस राज्य के किसी भी आधिकारिक प्रयोजन के लिए प्रयुक्त किसी अन्य भाषा के उपयोग को अधिकृत कर सकता है।

इसके अलावा, राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 7 में कहा गया है कि किसी राज्य का राज्यपाल, राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से, उस राज्य के उच्च न्यायालय द्वारा पारित या किए गए किसी भी निर्णय, डिक्री या आदेश के लिए अंग्रेजी भाषा के अलावा, हिंदी या राज्य की आधिकारिक भाषा के उपयोग को अधिकृत कर सकता है।

और जहां कोई भी निर्णय, डिक्री या आदेश किसी ऐसी भाषा (अंग्रेजी भाषा के अलावा) में पारित या दिया जाता है, तो उसके साथ उच्च न्यायालय के अधिकार के तहत जारी अंग्रेजी भाषा में उसका अनुवाद भी संलग्न होना चाहिए। केंद्रीय मंत्रिमंडलीय समिति के दिनांक 21 मई 1965 के निर्णय में यह कहा गया है कि उच्च न्यायालय में अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य भाषा के उपयोग से संबंधित किसी भी प्रश्ताव पर भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश की सहमति प्राप्त की जाएगी।

राजस्थान के उच्च न्यायालय की कार्यवाही में हिंदी का उपयोग 1950 में संविधान के अनुच्छेद 348 (2) के तहत अधिकृत भी किया गया था। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, मंत्रिमंडलीय समिति के दिनांक 21 मई 1965 के निर्णय के बाद, भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से उत्तर प्रदेश (1969), मध्य प्रदेश (1971) और बिहार (1972) के उच्च न्यायालयों में हिंदी का उपयोग अधिकृत किया गया था।

पर अफ़सोस इस बात का है कि उच्च और सर्वोच्च न्यायालयों में हिंदी आज भी उपेक्षि है। आज भी अंग्रेजी ही राज कर रही है। क्षेत्रीय भाषाओं की तो बात ही कौन करे। आज भी देश में हिंदी के लिए 2 दबाना पड़ता है। अदालत भी यही कहती है कि अंग्रेजी नहीं बोल पाने वाला आदमी अधिकारी नहीं बन सकता। हिंदी वाले की हिम्मत कैसे हुई अधिकारी बनने की? वह भी हिंदी भाषी प्रदेश में। क्या हिंदी पट्टी में भी हिंदी वाले दोयम दर्जे के ही रहेंगे?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

हादसे में मां-बेटी की मौत पर रिपोर्ट दर्ज

अलीगढ़ , एजेंसी। शाम करीब साढ़े चार बजे दिल्ली-कानपुर हाईवे पर हादसे में मां-बेटी की मौत के मामले में ट्रक चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। हादसे में घायल ट्रक के चालक और क्लीनर का मलखान सिंह जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

लोधा थाने के गांव ,ताजपुर रसूलपुर निवासी राजू की पत्नी अंगूरी देवी (45) और बेटी खुशबू (15) शनिवार की शाम हरियाली तीज सहित अन्य घरेलू जरूरत का सामान लाने के लिए खेरेश्वार धाम के पास बाजार में जा रही थीं, तभी पीछे से आए ट्रक ने उन्हें कुचल दिया था। इसके बाद अनियंत्रित होकर ट्रक पलट गया था। हादसे में मां-बेटी की मौत हो गई थी। ताजपुर रसूलपुर निवासी राजू के मामा थान सिंह ने ट्रक चालक आसिफ निवासी किठोर जनपद मेरठ के विरुद्ध लापरवाही से ट्रक चलाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कांवड़ लेने जाते समय मैक्स ने मारी टक्कर, हादसे में घायल कांवड़िया की मौत

अलीगढ़ , एजेंसी। कांवड़ लेने जा रहे बाइक सवार कांवड़ियों में मैक्स ने टक्कर मार दी। हादसे में दो कांवड़िए गंभीर घायल हो गए। उन्हें मेडिकल में भर्ती कराया गया। उनमें से एक कांवड़िए ने दम तोड़ दिया। उसके शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

27 जुलाई को कांवड़ लेने सोरों जा रहे बाइक सवार दो युवक में गंगीरी थाना क्षेत्र के गांव मखदूम नगर में मैक्स ने टक्कर मार दी। हादसे में अकराबाद के गांव बमनई निवासी 40 वर्षीय चंद्रेश पुत्र रमेश चंद्र और कुलदीप घायल हो गए। घायलों को पहले छर्रा सीएचसी ले जाया गया, उसके बाद उन्हें अलीगढ़ के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। 28 जुलाई की सुबह उपचार के दौरान चंद्रेश की मेडिकल में मौत हो गई। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दोस्तों के साथ पार्टी कर घर लौटे ऑर्डनेंस कर्मी ने फंदे से लटककर दी जान

कानपुर, एजेंसी। रावतपुर थानाक्षेत्र के केशवनगर में रविवार रात दोस्तों के साथ पार्टी करके घर लौटे ऑर्डनेंस कर्मी अनूप कुमार (32) ने फंदा लगाकर जान दे दी। देर रात लघुशंका के लिए उठे पिता को बेटे के कमरे का पंखा चलने की आवाज नहीं आई तो शंका हुई। काफी आवाज देने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया न आने पर पुलिस को सूचना देकर दरवाजा तोड़ा गया। जहां युवक का शव फंदे से लटका मिला। घटना के समय पत्नी नीलम मायके गई हुई थी। रावतपुर थाना प्रभारी केके मिश्रा ने बताया कि घटना के पीछे का कारण परिजन नहीं बता सके हैं। मामले की जांच की जा रही है।

खेरेश्वर महादेव मंदिर में पुजारी ने मारा डंडा, महिला का सिर फटा

कानपुर। खेरेश्वर महादेव मंदिर में पुजारी ने महिला के सिर पर डंडा मार दिया। जिससे महिला का सिर फट गया। पुलिस ने घायल महिला को सीएचसी पहुंचाया। जिला लखीमपुर खीरी के थाना मौहमदी के सेखापुर गांव निवासी चिर्रो देवी बाजपेई अपने देवर अरुण किशोर बाजपेयी के साथ बस से दर्शन करने आई थीं।

महिला ने दर्शन करते समय मंदिर में पुजारी पर डंडा मारने का आरोप लगाया है। पूरा मामला थाना शिवराजपुर के प्रसिद्ध खेरेश्वर महादेव मंदिर परिसर का है।

हाईवे पर टैंकर की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत, एक अन्य बाइक सवार घायल

उन्नाव , एजेंसी। गंगा स्नान करके लौट रहे बाइक सवार दो युवकों की कानपुर-लखनऊ हाईवे पर सुबह 8:30 बजे टैंकर से कुचल कर मौत हो गई। हादसे में एक अन्य बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्नाव सदर कोतवाली के शेखपुर नरी गांव निवासी नितिन सोनवानी (19) पुत्र दिनेश तथा आदित्य सैनी (20) पुत्र मनोज जाजमऊ से गंगा स्नान कर एक ही बाइक से वापस आ रहे थे। गहरा गांव के सामने टैंकर ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी।

काशी को 2255 करोड़ की सौगात देंगे पीएम, जनता को होगी समर्पित फोरलेन रोड

वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो अगस्त को काशी की जनता को 2255 करोड़ की लागत वाली 54 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। 16 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और 38 का शिलान्यास करेंगे।

इन परियोजनाओं का ब्योरा प्रधानमंत्री कार्यालय को भेज दिया गया है। सबसे बड़ी परियोजना चांदपुर से भदोही को जोड़ने वाली फोरलेन सड़क है जो 266 करोड़ की लागत से बनी है। सड़क की लंबाई 35 किमी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो अगस्त को 51वें दौरे पर काशी आ रहे हैं। वह सेवापुरी में जनसभा करेंगे। साथ ही 1638 करोड़ की लागत वाली 38 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास होगा जो 55 करोड़ से ज्यादा की लागत से बनने जा रहा है। एलटी कॉलेज में बनने वाली राजकीय लाइब्रेरी और बिजली के अंडरग्राउंड केबल से जुड़े कार्यों का शिलान्यास भी होगा।

प्रधानमंत्री 637 करोड़ की लागत वाली 16 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। चांदपुर से लोहता होकर भदोही को जोड़ने वाली फोरलेन सड़क जनता को समर्पित करेंगे। सारनाथ स्थित केंद्रीय तिब्बती उच्च शिक्षा संस्थान परिसर में बने सोवा रिग्पा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल का लोकार्पण भी होगा। इसका शिलान्यास भी पीएम मोदी ने ही किया था। 50 करोड़ की लागत से बने मेडिकल कॉलेज में 45 बेड भी रहेंगे।

सीएम करेंगे पीडब्ल्यूडी की विकास परियोजनाओं की समीक्षा

पीएम नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को तैयारियों की समीक्षा करेंगे। वह दो दिवसीय दौरे पर अपराह्न तीन बजे काशी पहुंचेंगे। पीडब्ल्यूडी की विकास परियोजनाओं की समीक्षा भी करेंगे। पीडब्ल्यूडी की ज्यादातर परियोजनाएं लेटलतीफी की शिकार हैं। सर्किट हाउस में वाराणसी के साथ ही आजमगढ़ मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे।

इसके बाद दो अगस्त को प्रस्तावित पीएम के दौरे से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा करेंगे। सोमवार की देर शाम विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे। वहां से लौटने के बाद सीएम सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन मंगलवार को पीएम के जनसभा स्थल सेवापुरी बनौली गांव का दौरा करेंगे।

आपात स्थिति से निपटने के लिए लगेंगी 5 हाइड्रोलिक क्रेन

उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो अगस्त के दौरे की तैयारियों को ध्यान में रखकर रविवार को पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने जनसभा स्थल सेवापुरी बनौली का निरीक्षण किया। सभा स्थल के भीतर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावी योजना के लिए दिशा-निर्देश दिए।

बारिश को ध्यान में रखकर कार्यक्रम स्थल व पार्किंग स्थलों पर चेकर्ड-प्लेट्स लगवाने के निर्देश दिए। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 5 हाइड्रोलिक क्रेन को तैनात कराने को कहा। उन्होंने कहा कि मंच और कार्यक्रम पंडालों को अधिक सुदृढ़ और जलरोधक बनाते हुए सुरक्षा मानकों के अनुरूप तैयार करें। सभी पुलिसकर्मियों को रेन-कोट उपलब्ध कराएं।

प्रवेश द्वार, पार्किंग स्थल, जर्मन हैंगर, स्टेज और हेलिपैड के लिए पूर्व चिह्नित स्थलों का निरीक्षण कर समुचित प्रबंध करें। कार्यक्रम स्थल के आसपास रहने वाले और कार्यरत समस्त व्यक्तियों का पुलिस सत्यापन कराने और बैरिकेडिंग कार्य समय से पूरा कराने को कहा। रूट डायवर्जन प्लान तैयार कर उसका कड़ाई से अनुपालन कराया जाए।

सुहागिनों ने किए सोलह श्रृंगार, सावन के गीतों पर झूमी महिलाएं, मल्हारों की रही धूम

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ में हरियाली तीज को लेकर 27 जुलाई को हर तरफ उल्लास और उमंग का माहौल दिखाई पड़ा। इस दौरान झूलों के साथ मल्हार गीतों की खूब धूम देखने को मिली। सुहागिनों ने व्रत रखकर पति की लंबी उम्र के लिए भगवान शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना की। सोलह श्रृंगार में सजीं महिलाएं सावन के गीतों पर खूब झूमी।

हरियाली तीज पर सुबह से सुहागिन महिलाएं सजने-संवरने में जुटी रहीं। हाथों पर रची हिना, खनकती रंग-बिरंगी चूड़ियां, माथे पर बिंदिया, हरे रंग के परिधान के साथ सोलह श्रृंगार कर महिलाओं ने तीज के गीत गाए। महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु की कामना व अखंड सुहाग के लिए 24 घंटे तक निर्जला व्रत रखा। महिलाओं ने सुबह से व्रत रखकर शाम को मिट्टी से बने शिव परिवार का सामूहिक पूजन किया और शिव-गौरा से अखंड सौभाग्य की मंगलकामना की। नौरंगाबाद स्थित एक रेस्टोरेंट में हरियाली तीज पर किटी पार्टी में उपस्थित ममता शर्मा, बिंदू बाला शर्मा, तनुजा शर्मा कुंवारी कन्याओं ने मनोवांछित वर की प्राप्ति के लिए भगवान शिव-पार्वती की आराधना की। शहर की विभिन्न कॉलोनियों में सामूहिक कार्यक्रम आयोजित कर हरियाली तीज उत्सव पूरे उल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया। देहात क्षेत्र में बागों में झूलों पर सावन के गीत गाते हुए महिलाओं, युवतियों और बच्चों ने खूब मस्ती की। हरियाली तीज को लेकर जिले भर में कई स्थानों पर मेलों का भी आयोजन हुआ।

शहर के श्री वार्ष्णेय मंदिर में महंत पंडित मनोज मिश्रा के सानिध्य में हरियाली उत्सव मनाया गया। यहां राधा रानी के संग ठाकुर जी हिंडोले पर झूला झूले। मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया था। भजन-कीर्तन हुए। श्री टीकाराम मंदिर में पुजारी राजू पंडित के नेतृत्व में राधा-रानी संग ठाकुर जी को झूला झुलाया गया।

लोडर की टक्कर से किसान की मौत

रायबरेली, एजेंसी। सड़क पार कर रहे किसान को रविवार को लोडर ने रौंद दिया। इससे उनकी मौत हो गई। ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र के सादे की बाजार मजरे अरखा गांव निवासी रामप्रसाद (65) खेती करते थे। सुबह गृहस्थी के सामान की खरीदारी करने अरखा बाजार आए थे। दोपहर करीब 12.30 बजे खरीदारी करने के बाद राम प्रसाद लखनऊ-प्रयागराज हाईवे पार कर रहे थे।

इसी दौरान ऊंचाहार से प्रयागराज की ओर जा रहे लोडर से टक्कर हो गई। इससे राम प्रसाद लोडर के पहिये की चपेट में आ गए। उनका सिर कुचल गया। मौके पर ही उनकी जान चली गई। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर भाग गया। राम प्रसाद पत्नी फूलमती के साथ घर पर रहते थे। उनके कोई संतान नहीं थी। पति की मौत से पत्नी के आंसू नहीं थम रहे हैं। कोतवाली प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि लोडर को कब्जे में लिया गया है। तहरीर मिलने पर केस दर्ज होगा।

एटीएम से छेड़छाड़ कर ठगी करने वाला गिरफ्तार

रायबरेली, एजेंसी। एटीएम से छेड़छाड़ कर ठगी करने वाले एक युवक को बछरावां पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके तीन साथी मौके से भाग निकले। अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा के मुताबिक रविवार शाम पांच बजे शिवगढ़ रोड पर कब्रिस्तान के पास एक कार की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान पुलिस ने जौनपुर जिले के खेतासराय थाना क्षेत्र के नुरुद्दीनपुर मजरे लखमापुर गांव निवासी दिलशाद अहमद को दबोच लिया।

आजमगढ़ जिले के जीयनपुर थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर पोस्ट तरीका लाटघाट गांव निवासी सद्दाम, मऊ जिले के मोहम्मदाबाद गोहना थाना क्षेत्र के सरकंडा निवासी वैदुल्ला, कुशीनगर जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के मंसूरगंज निवासी फकरुद्दीन उर्फ काजू भाग गए। एएसपी के मुताबिक पूछताछ में आरोपी दिलशाद ने बताया कि वे लोग एटीएम में जहां से पैसा निकलता है, वहां पर गोंद लगाकर एल्युमिनियम की खांचेनुमा पट्टी को फंसा देते हैं। इससे पैसा मशीन से बाहर नहीं निकलता है और इस खांचे में गोंद से चिपक जाता है।

कुछ दूरी पर खड़े रहकर निगरानी करते हैं। जब पैसे निकालने वाला व्यक्ति वहां से चला जाता है तो पट्टी को बाहर निकालकर पैसा निकाल लेते थे।

साप्ताहिक पशु बाजार का हुआ भव्य शुभारंभ

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

बिजनौर में सोमवार 28 जुलाई को पशुपालकों और व्यापारियों को बड़ी राहत देने के लिए ठेकेदार हनीफ कुरेशी की जमीन पर सोमवार को साप्ताहिक पशु बाजार का भव्य शुभारंभ हुआ। पेरिस गार्डन के निकट चक्कर रोड पर आयोजित इस बाजार का उद्घाटन कारी हन्नान, मौलाना डॉ. फुरकान मेहरबान अली मदनी एवं ठेकेदार हनीफ कुरेशी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक व्यापारी, समाजसेवी और आम नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान सभी ने इस पहल की सराहना की और इसे क्षेत्र के लिए लाभकारी कदम बताया।

स्थानीय व्यापारियों को मिलेगी राहत

व्यापारियों ने बताया कि क्षेत्र में दो दिन पशु बाजार लगने से व्यापारियों को काफी मदद मिलेगी। पहले क्षेत्र में सदुपुरा जलालपुर रोड पर पशुओं का मंगल बाजार लगता था। परंतु अब सोमवार का भी पशु बाजार लगने से व्यापारियों को दो दिन पशु खरीदने और बेचने का फायदा मिलेगा। साथ ही, बाहर से भी व्यापारी यहां अपने पशु लेकर आएंगे, जिससे बाजार को व्यापक पहचान मिलेगी।

व्यापारियों और पशुपालकों को समर्पित प्रयास: हनीफ कुरेशी

कार्यक्रम के आयोजक ठेकेदार हनीफ कुरेशी ने कहा, 'हमारा उद्देश्य पशुपालकों और व्यापारियों को एक बेहतर और सुविधाजनक मंच प्रदान करना है।' उन्होंने सभी विशिष्ट अतिथियों और आम नागरिकों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सभी की उपस्थिति से इस आयोजन की गरिमा बढ़ी है।

सेहत, व्यापार और आत्मनिर्भरता: मौलाना डॉ. फुरकान का संदेश

मौलाना डॉ. फुरकान मेहरबान अली मदनी ने कहा, इस बाजार की क्षेत्र के लोगों को शादीद ज़रूरत थी। आज इसका उद्घाटन एक नई शुरुआत है। दूध से जुड़ी बकरी, गाय, भैंस जैसे पशुओं का व्यापार आमदनी के साथ-साथ अच्छी सेहत का भी जरिया है।

मैंने स्वयं मुबारकपुरतालन में फुरकानिया दुग्ध और पशुपालन डेयरी फार्म खोल रखा है, जिसमें 40 से अधिक पशु हैं। इन पशुओं से निकलने वाला दूध को सरकारी पराग डेयरी में दिया जाता है।

सरकारी पराग डेयरी में दूध देने का सबसे पैसा सीधा बैंक खाते में आता है। जिससे किसी प्रकार की कोई धोखाधड़ी का भी खतरा नहीं होता है और किसान को सीधा-सीधा इसका फायदा मिलता है।

उन्होंने किसानों और व्यापारियों से अपील की है कि वे सरकार की पशुपालन योजनाओं का लाभ उठाएं और आत्मनिर्भर बनें। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा पशुपालन को बढ़ावा देने के चलाई जा रही योजनाओं के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि पशुपालन के लिए सरकार द्वारा सब्सिडी दी जाती है।

मेरा सभी किसानों और व्यापारियों से अपील है कि इन योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने व्यापार और आमदनी को बढ़ाएं

कारी हन्नान ने बताया पशुधन का महत्व

कारी हन्नान ने कहा कि पशु, विशेषकर दूध देने वाले पशु, न केवल व्यापार का साधन हैं बल्कि देश की सेवा का भी एक माध्यम हैं। उन्होंने पशुपालन को स्वावलंबन और राष्ट्र सेवा का प्रभावशाली रास्ता बताया।

राजाफत्तेपुर पीएचसी पर नहीं हुई जांच, लैब सहायक नदारद

अमेठी , एजेंसी। जिले की 30 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। शिविरों में कुल 2,865 लोगों की स्वास्थ्य की जांच की गई, जिनमें से 25 गंभीर रोगियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर किया गया।

सिंहपुर ब्लॉक की राजाफत्तेपुर पीएचसी में आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले के दौरान सुबह 10:10 बजे तक एएनएम अनीता यादव, लैब सहायक यशवंत वर्मा, सीएचओ, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सावन कुमार और आंगनबाड़ी कर्मी मौजूद नहीं थे। 10:25 बजे आयुष फार्मासिस्ट मंगलम तिवारी अस्पताल पहुंचे। डॉ. उमाशंकर, फार्मासिस्ट राम सेवक, एएनएम सुधा और वार्ड बॉय संग्राम मौके पर मौजूद रहे। यहां सुबह 11:15 बजे तक सात मरीज पहुंचे, लेकिन किसी की जांच नहीं हो सकी।

बनभरिया निवासी नफीस सड़क हादसे के बाद इलाज कराने आए थे। मनीषा बुखार और सिर दर्द से पीड़ित थीं, लेकिन जांच न होने से उन्हें केवल दवा दी गई। सुनील की एक वर्षीय पुत्री को फोड़े-फुंसी की समस्या थी, जबकि रामराज मौर्य बुखार से परेशान थे। जांच संभव न होने के कारण चिकित्सकों ने औषधि संग सावधानियां अपनाने की सलाह दी।

शिविर में डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया और वायरल संक्रमण से बचाव की जानकारी दी गई। सभी इकाइयों पर संचारी रोगों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया।

अनुपस्थित कर्मियों पर होगी कार्रवाई- सीएमओ डॉ. अंशुमान सिंह ने नेवादा पीएचसी पर निरीक्षण किया। यहां डॉ. नीरज गौतम दो जुलाई से और लैब सहायक राम आधार राव 21 मई से लगातार अनुपस्थित चल रहे हैं। सीएमओ ने पौधरोपण करते हुए अनुपस्थित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की बात कही।

महिला डॉक्टर भी हो गई मजबूर...धर्मांतरण गिरोह के सदस्य से निकाह, फिर ऐसा काम; सोचकर आ जाएगी घिन

आगरा , एजेंसी। अवैध धर्मांतरण कराने वाले गिरोह का नया चेहरा सामने आया है। अब तक युवतियों को जाल में फंसाने के बाद धर्मांतरण ही कराया जाता था। मगर गिरोह के चंगुल में फंसी झज्जर (हरियाणा) की महिला डॉक्टर का धर्मांतरण के बाद एक युवक ने शारीरिक शोषण किया था। पुलिस ने डॉक्टर को पूछताछ के लिए बुलाया था। अब उनके कोर्ट में बयान दर्ज कराए जाएंगे। पीड़ित डॉक्टर आरोपी को सजा दिलाना चाहती हैं। इस मामले में जल्द ही एक और केस दर्ज कराया जा सकता है।

झज्जर जिले की रहने वाली 25 वर्षीय युवती होम्योपैथी की पढ़ाई करने के लिए ओडिशा गई थी। अपने खर्च के लिए उसने नौकरी की तलाश शुरू की तभी गोवा की रहने वाली आरोपी आयशा उर्फ एसबी कृष्णा के संपर्क में आ गई। आरोप है कि आयशा ने उसे नौकरी के लिए जयपुर के जुनैद से मिलवाया। जुनैद को पिछले दिनों पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वह पुलिस कस्टडी रिमांड पर है। उससे पूछताछ की जा रही है। दोनों ने एक ग्रुप बनाकर बातचीत शुरू कर दी। आश्वासन दिया कि जुनैद उसकी पूरी मदद करेगा। बातचीत के दौरान जुनैद अपने धर्म के बारे में उसे बताने लगा। मगर, डॉक्टर को गीता का अच्छा ज्ञान होने के कारण वो आसानी से बात मानने के लिए तैयार नहीं हुई। जुनैद उससे झूठ बोलता रहा। एक दिन युवती अपने घर जा रही थी। तब वह उससे मिलने के लिए दिल्ली पहुंच गया। मिलने के दौरान वह उसे अपने साथ एक घर में ले गया, जहां काजी के सामने धर्मांतरण करा दिया। उससे निकाह कर लिया। युवती को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। घर से बाहर आने के बाद जुनैद उसे अपनी पत्नी बताने लगा।

कहा कि उसने निकाह में हां किया है। अब दोनों साथ रहेंगे। डॉक्टर घबरा गई। आरोप है कि वह जबरन अपने साथ रखने का दबाव बनाने लगा। बदनाम करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। बाद में उसका शारीरिक शोषण भी किया। वह किसी तरह उसके चंगुल से निकलना चाहती थी। आगरा में धर्मांतरण गिरोह के चंगुल में फंसे लोगों से पुलिस संपर्क कर रही है। इसी बीच पुलिस ने उसे ढूंढ लिया। उसके बयान दर्ज किए गए हैं। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने बताया कि झज्जर की महिला डॉक्टर से युवक ने निकाह किया था। बयानों में पीड़िता ने कई बातें बताई हैं। डॉक्टर के कोर्ट में बयान दर्ज कराए जाएंगे।

पिता दर्ज कराना चाहते हैं केस

महिला डॉक्टर के पिता मजदूरी करते हैं। इसके बावजूद वह बेटी को डॉक्टर की पढ़ाई करा रहे थे। 10 हजार रुपये हर महीने भेजा करते थे। इसके बावजूद खर्च पूरा नहीं हो पाता था। बेटी के परेशान रहने पर पिता भी चिंतित थे। पूछने पर भी डॉक्टर ने पिता को कुछ नहीं बताया था। यही कहा था कि पढ़ाई की चिंता है। अब उन्हें पता चला तो वो सन्न रह गए। अब वो आरोपी को सजा दिलाना चाहते हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में झज्जर जिले में केस दर्ज कराया जाएगा।

धर्मांतरण केस: इंस्टाग्राम और फेसबुक पर दिखे रिवर्ट आईडी... तो हो जाएं सावधान, पुलिस की रडार पर हैं कई लोग

आगरा , एजेंसी। अवैध धर्मांतरण कराने के बाद युवक और युवतियों को इंस्टाग्राम और फेसबुक के ग्रुप से जोड़ दिया जाता था। हर किसी की एक आईडी का नाम बदला हुआ था। इसके साथ रिवर्ट भी लिखा जाता था जिससे हर किसी की एक अलग पहचान हो सके। सर्च करने पर एक साथ नाम आ जाएं। अब पुलिस के निशाने पर यह आईडी वाले ही हैं। गिरोह के पकड़े जाने के बाद इन आईडी से किसी तरह के कमेंट और वीडियो पोस्ट नहीं किए जा रहे हैं। अब पुलिस इनके बारे में जानकारी जुटा रही है। इनमें आईडी बनाने वाले देश से बाहर के लोग भी हैं। ऐसी 100 से अधिक आईडी को चिह्नित किया गया है।

धर्मांतरण गिरोह की कल खत्म हो जाएगी कस्टडी रिमांड- धर्मांतरण गिरोह के 10 आरोपियों की पुलिस कस्टडी रिमांड 29 जुलाई तक है। अब्दुल रहमान को बाद में गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों से पूछताछ में गिरोह के विदेश से फंडिंग का पता चला है। इनके खातों को खंगाला जा रहा है।

तब हुआ गिरोह का खुलासा- सदर की सगी बहनों का मार्च में अपहरण किया गया था। पुलिस ने दोनों को कोलकाता में खोज निकाला। इसके बाद छह राज्यों में दबिश देकर 10 आरोपियों को पकड़ा तो धर्मांतरण गिरोह का खुलासा हुआ। बाद में मुस्तफाबाद, दिल्ली निवासी अब्दुल रहमान को पकड़ा गया। उसकी गिरफ्तारी के बाद उसके दो बेटों सहित तीन को दिल्ली से पकड़ा गया। इन तीनों को जेल भेजा जा चुका है।

12 से अधिक युवतियां कराई मुक्त - पुलिस अब तक 12 से अधिक युवतियों को मुक्त करा चुकी है। आरोपी आयशा उर्फ एसबी कृष्णा, शेखर राय उर्फ अली हसन, ओसामा, रहमान कुरैशी, अबू तालिब, अबू रहमान, मोहम्मद अली, जुनैद कुरैशी, मुस्तफा और रीत बानिक उर्फ इब्राहिम की पुलिस कस्टडी रिमांड 29 जुलाई तक है।

पुलिस जुटा रही साक्ष्य- पुलिस को और लोगों के बारे में जानकारी मिली है। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने बताया कि गैंग के प्रत्येक सदस्य के खिलाफ साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। प्रारंभिक छानबीन में विदेश से डॉलर और क्रिप्टो करेंसी में रकम आने के प्रमाण मिले हैं। दुबई और कनाडा से फंडिंग भी हो रही थी।

एक हजार से अधिक नंबरों को खंगाल रही पुलिस- पुलिस आरोपियों के मोबाइलों से एक हजार से अधिक नंबरों का पता चला है। इनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं रिवर्ट मुस्लिम ग्रुप के सदस्यों के बारे में भी पता किया जा रहा है। इसके लिए इंस्टाग्राम और फेसबुक आईडी खंगाली जा रही है। वहीं आरोपियों के लैपटॉप भी खंगाले जा रहे हैं। इसके लिए साइबर थाना की टीम की भी मदद ली जा रही है।

19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस विमेंस वर्ल्डकप जीता

वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला; भारत की ही कोनेरू हम्पी को फाइनल हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। 19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस का फिडे महिला वर्ल्ड कप जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में भारत की ही कोनेरू हम्पी को टाईब्रेक राउंड में हराकर खिताब जीता। वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ वे भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गईं। टूर्नामेंट में दिव्या ने कई टॉप रैंक प्लेयर्स को हराया और फाइनल में जगह बनाई। हम्पी के खिलाफ फाइनल में दिव्या ने दोनों प्रमुख मुकाबले ड्रॉ खेले। जिसके बाद सोमवार को टाईब्रेक राउंड हुआ, जिसमें दिव्या ने 2.5-1.5 के स्कोर से बाजी मारी। मैच के बाद हम्पी ने कहा कि 12वीं चाल के बाद उन्हें समझ नहीं आया कि अब क्या करना है। हालांकि, 54वीं चाल में दिव्या ने जरूरी बढ़त हासिल कर ली। जिसके बाद हम्पी ने रिजाइन कर दिया और दिव्या को जीत मिली।

दिव्या को 42 लाख मिलेंगे

फिडे विमेंस वर्ल्ड कप जीतने पर दिव्या को लगभग 42 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं वर्ल्ड कप (ओपन सेक्शन) के विजेता को लगभग 91 लाख मिलते हैं।

विमेंस कैंडिडेट्स के लिए क्वालिफाई किया

दिव्या ने वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ अगले साल के विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। वे इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने वाली दूसरी ही भारतीय बनीं। कोनेरू हम्पी ने भी फाइनल में जगह बनाने के साथ कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया।

भारत और पाक एशिया कप पर बयान देने पर बुरी तरह फंसे सौरव गांगुली, सोशल मीडिया पर हुई थू-थू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दादा के नाम से मशहूर सौरव गांगुली अपने एक हालिया बयान के चलते सोशल मीडिया पर बुरी तरह घिर गए हैं। उन्होंने एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को लेकर टिप्पणी की थी, जिसके बाद से उन्हें फैंस की भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

क्या कहा था गांगुली ने

एशिया कप 2025 का शेड्यूल जारी हो चुका है और इस टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान का बहुप्रतीक्षित मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा। इसी मैच को लेकर जब सौरव गांगुली से पूछा गया, तो उन्होंने बात करते हुए कहा, मुझे इससे कोई समस्या नहीं है। खेल चलते रहना चाहिए। पहलगाम में जो हुआ, वो नहीं होना चाहिए लेकिन खेल जारी रहना चाहिए। आतंकवाद नहीं होना चाहिए, इसे रोका जाना चाहिए। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। गांगुली के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहा है और कई फैंस इसे संवेदनहीन बता रहे हैं। लोगों का मानना है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ऐसे बयान से बचना चाहिए था।

शादी से पहले इस एक्ट्रेस को डेट कर रहे थे सचिन तेंदुलकर! अब हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को अक्सर त्रश्स्त्र

श्द्ध ष्टह्लद्बष्द्गह्ल के रूप में जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर में न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में करोड़ों लोगों के दिलों में जगह बनाई। जहां उनकी प्रोफेशनल लाइफ की चर्चा अक्सर होती रहती है, वहीं उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर कम ही बातें सामने आती हैं। हाल ही में एक पुराने किस्से ने एक बार फिर सुर्खियां बटोरीं, जब बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर ने एक इंटरव्यू में सचिन तेंदुलकर से जुड़ी अफवाहों पर खुलकर बात की।

शिल्पा शिरोडकर ने क्या कहा?

शिल्पा शिरोडकर ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि जब वह एक फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तभी उन्होंने पहली बार सचिन तेंदुलकर से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा, सचिन वहीं रहते थे, जहां मेरा भाई रहता था। दोनों साथ में बांद्रा ईस्ट में क्रिकेट खेला करते थे। उसी समय मैं सचिन से मिली थी। हम अच्छे दोस्त थे और मुझे पहले से पता था कि सचिन और अंजलि एक-दूसरे को पसंद करते हैं, लेकिन तब किसी को इस बारे में जानकारी नहीं थी।

अफेयर की अफवाहें कैसे उड़ीं?

शिल्पा ने यह भी बताया कि वे एक अभिनेत्री थीं और सचिन क्रिकेटर, इसलिए मीडिया और लोगों के लिए दोनों का नाम जोड़ना आसान हो गया। उन्होंने साफ किया कि वे सचिन से केवल एक बार मिली थीं और इसके बाद भी दोनों के बीच कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था। मुझे नहीं पता कि ऐसी अफवाहें क्यों फैलीं, लेकिन शायद इसलिए कि हम दोनों अपने-अपने फील्ड में पॉपुलर थे, उन्होंने हंसते हुए कहा।

25 गेंदों में अर्धशतक, फाइनल में ताबड़तोड़ पारी खेलकर इस खिलाड़ी ने अपनी टीम को बनाया चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वीमेन ब्लास्ट का फाइनल मैच सरे वूमेन और वारविकशायर वूमेन क्रिकेट टीम के बीच रविवार, 27 जुलाई को खेला गया. वारविकशायर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 153 रन बनाए. सरे वूमेन टीम ने लक्ष्य को 16.4 ओवरों में हासिल कर 5 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया. ग्रेस हैरिस ने मैच जिताऊ पारी खेली, उन्होंने 33 गेंदों में नाबाद 63 रन बनाए.सरे वूमेन टीम की कप्तान ब्रायोनी स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था. पहले ही ओवर में एलेक्सा केट स्टोनहाउस ने मेग ऑस्टिन (4) को आउट कर बड़ी सफलता दिलाई, इसके बाद अगले ही ओवर में दूसरी सलामी बल्लेबाज डेविना बिना खाता खोले आउट हो गई. वारविकशायर वूमेन टीम के लिए कोई प्लेयर बड़ी पारी नहीं खेल सका, टीम के लिए सबसे ज्यादा रन इस्सी वोंग ने बनाए. उन्होंने 19 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 31 रन बनाए.सरे टीम के लिए सबसे किफायती फोएबे फ्रेंक्लिन रहीं, उन्होंने अपने 4 ओवरों के स्पेल में सिर्फ 16 रन देकर 2 विकेट लिए. एलेक्सा केट स्टोनहाउस ने भी 2 विकेट चटकाए. एलिस कैप्सी, रियाना मैकडोनाल्ड-गे और डेनिएल लूसी ग्रेगरी को 1-1 विकेट मिला.लक्ष्य का पीछा करने उतरी सरे वूमेन टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं हुई थी, सलामी बल्लेबाज डेनियल व्याट-हॉज (5) दूसरे ही ओवर में आउट हो गई. एलिस कैप्सी के रूप में टीम का तीसरा विकेट 42 के स्कोर पर गिरने के बाद सरे टीम पर दबाव आ गया था लेकिन तब ग्रेस हैरिस ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर मैच को एकतरफा बना दिया.

ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बाहर, सीएसके का यह खिलाड़ी टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। चौथे टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय चोट लगने के बाद भारतीय उप कप्तान ऋषभ पंत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के पांचवे टेस्ट मैच से बाहर हो गए है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा सीरीज के आखिरी मुकाबले के लिए उनकी जगह तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन को टीम में शामिल किया गया है।

इंग्लैंड खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान पंत के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया और बीसीसीआई की टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है। मैच के पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए पंत चोटिल हो गए जिससे कि विकेटकीपर बल्लेबाज पंत को बीच में ही मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा। फिर रवींद्र जडेजा ने वाशिंगटन सुंदर के साथ पारी को आगे बड़ाया। हालांकि पंत दूसरे दिन फिर से बल्लेबाजी करने आए और भारत के कुल स्कोर में और रन जोड़े। दूसरे दिन उन्होंने 17 रन बनाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर जोफ्रा आर्चर की अच्छी गेंद पर आउट होकर वापिस ड्रेसिंग रूम जाना पड़ा।

बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए कहा, ऋषभ पंत, जिन्हें मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया था, श्रृंखला के पांचवें और अंतिम टेस्ट से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नज़र रखेगी और टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

करती है। बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पुरुष चयन समिति ने पांचवें टेस्ट के लिए ऋषभ पंत के प्रतिस्थापन के रूप में नारायण जगदीशन का नाम लिया है, जो 31 जुलाई, 2025 को केनिंग्टन ओवल, लंदन में शुरू होगा। पंत इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजो में से थे, उन्होंने सात पारियों में 479 रन बनाए, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल है।

पांचवें टेस्ट के लिए भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज, अर्शदीप सिंह, एन जगदीसन (विकेटकीपर)।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा, स्टार ऑलराउंडर टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने 28 जुलाई को एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। ओवरटन को कप्तान बेन स्टोक्स के कवर के तौर पर शामिल किया गया है, जिन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या हो गई थी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ होने वाले पांचवें टेस्ट मैच के लिए एक ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की टीम में वापसी की है। यह मैच सीरीज का निर्णायक मुकाबला होगा और दोनों ही टीमें जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगी। भारतीय टीम इंग्लैंड को उनके घरेलू मैदान पर कड़ी टक्कर देगी। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। पांचवें और अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम जीत के इरादे से उतरेगी कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ करना चाहेगी। भले ही इंग्लैंड की टीम आक्रामक क्रिकेट खेल रही है लेकिन भारतीय टीम ने अब तक बेहतरीन जज्बा और संयम दिखाया है। इंग्लैंड पर दबाव बनाने के लिए पांचवें टेस्ट मैच में बल्लेबाजो को बड़ा स्कोर बनाना होगा वही गेंदबाजो को भी महत्वपूर्ण समय पर विकेट लेना होगा।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम–बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जोश टंग, क्रिस वोक्स।

सुप्रीम कोर्ट से बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को राहत, फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में FIR रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी।

अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शटलर लक्ष्य सेन पर साल 2022 में उम्र का गलत विवरण देने का आरोप लगा था। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि यह अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है। सुप्रीम कोर्ट ने जन्म प्रमाण में जालसाजी मामले में भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्य के खिलाफ एफआईआर रद्द कर दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि लक्ष्य सेन के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही जारी रखना अनुचित है और यह अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

जानें क्या है पूरा मामला

अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शटलर लक्ष्य सेन पर साल 2022 में उम्र का गलत विवरण देने का आरोप लगा था। बेंगलुरु पुलिस ने नागराजा एमजी नाम के शख्स की शिकायत के बाद लक्ष्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। लक्ष्य सेन पर जूनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हुए आयु-प्रतिबंधित टूर्नामेंटों में प्रवेश पाने के लिए अपनी उम्र में हेरफेर करने का आरोप लगा था। इसके बाद एक स्थानीय अदालत ने पुलिस को लक्ष्य के खिलाफ आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया था। लक्ष्य बेंगलुरु में प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन एकेडमी में प्रशिक्षण लेते हैं। एफआईआर में नामित लोगों में लक्ष्य, उनके कोच विमल कुमार, उनके पिता धीरेंद्र सेन, उनके भाई चिराग और मां निर्मला सेन के नाम शामिल थे। लक्ष्य और बाकी लोगों पर धारा 420 (धोखाधड़ी), 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी) और 471 (जाली रिकॉर्ड को वास्तविक के रूप में उपयोग करना) समेत विभिन्न आईपीसी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्य को दी बड़ी राहत

याचिकाकर्ताओं ने 2022 में कर्नाटक हाई कोर्ट का रुख किया था। मामले पर सुनवाई करते हुए कर्नाटक हाईकोर्ट ने लक्ष्य, उनके परिवार और कोच विमल कुमार की ओर से दाखिल याचिकाओं को खारिज करते हुए फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले की जांच आदेश दिए थे। हाईकोर्ट से याचिकाएं खारिज होने के बाद लक्ष्य और उनके परिवार ने तत्काल सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

मुकाबला ड्रॉ, फिर भी टीम इंडिया के नाम दर्ज हुआ वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त किया। इसी के साथ टीम इंडिया के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया। भारत एक ही टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा बार 350+ रनों का आंकड़ा छूने वाला देश बन गया है। इस मामले में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़ दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपने ही घर पर साल 1920-21 में इंग्लैंड के विरुद्ध एक ही टेस्ट सीरीज में छह बार 350+ रन बनाए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने विदेशी सरजमीं पर इंग्लैंड के खिलाफ साल 1948 और 1989 में खेली गई सीरीज में इस कारनामे को दोहराया। दोनों बार ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में छह-छह दफा 350+ रन बनाए। भारत ने लीड्स में खेले गए टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में 471 और 364 रन बनाए थे। इसके बाद एजबेस्टन में टीम इंडिया ने पहली पारी में 587 रन बनाए, जबकि अगली इनिंग 427/6 के स्कोर पर घोषित की। टीम इंडिया ने तीसरे टेस्ट की पहली पारी में 387 रन जोड़े, जबकि अगली पारी में 170 रन पर सिमट गई। चौथे टेस्ट की पहली पारी में 358 रन बनाने के बाद भारत ने दूसरी इनिंग में चार विकेट खोकर 425 रन बनाए। मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट मैच की बात करें, तो टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने पहली पारी में 358 रन बनाए। टीम इंडिया की ओर से यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने अर्धशतक जमाए। विपक्षी टीम की ओर से बेन स्टोक्स ने सर्वाधिक पांच शिकार किए। इसके जवाब में इंग्लैंड ने पहली पारी में 669 रन बना दिए। मेजबान टीम की ओर से जो रूट ने 150, जबकि बेन स्टोक्स ने 141 रन टीम के खाते में जोड़े।